प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

# माही की गूंज

बेबाकी के साथ... सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-03, अंक - 33 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 20 मई 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए


**सुविचार**

अगर आप तेजी से चलना चाहते है, तो अकेले चलिए, लेकिन अगर आप दूर तक चलना चाहते है तो साथ मिलकर चलिए।

रतन टाटा

## नवजात को चूहों द्वारा कुतरने के मामले में एमवाय अस्पताल की स्टाफ नर्स को किया निलंबित

**माही की गूंज, इंदौर।** एमवाय अस्पताल में नवजात के पैर कुतरने के मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। जांच में स्टाफनर्स दोषी पाई गई है, जिसके आधार पर अस्पताल प्रशासन ने उसे निलंबित कर दिया है। वही सफाई और सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली एसएलएल कंपनी के 2 कर्मचारियों को भी बर्खास्त कर कंपनी पर एक लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया है।

बता दे कि, एमवाय अस्पताल में 17 मई को बच्चे ने जन्म लिया था उसका इलाज एमवाय के बच्चा वार्ड में जारी था, यहां चूहे द्वारा नवजात बच्चे के हाथ को कुतर कर घायल कर दिया गया था। उक्त मामला सामने आने के बाद एमवाय प्रबंधन पर कई सवाल खड़े किए जा रहे थे। मामले की जांच के लिए अधीक्षक ने तीन सदस्यीय जांच टीम बनाई थी, टीम को तीन दिन का समय दिया गया था लेकिन उसने एक दिन के भीतर ही अपनी जांच रिपोर्ट सौंप दी।

## वैक्सीन की किल्लत को दूर करने का सुझाव देकर फंसे नितिन गडकरी? अब दी सफाई

**नई दिल्ली एजेंसी।** वैक्सीन की कमी को दूर करने का तरीका बताने के एक दिन बाद ही केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अपने बयान पर सफाई दे दी है। उन्होंने कहा है कि जब उन्होंने दूसरी कंपनियों को भी वैक्सीन बनाने का फॉर्मूला दिए जाने का सुझाव दिया था, तब उन्हें पता नहीं था कि भारत सरकार पहले ही ऐसा कर चुकी है। गडकरी ने मंगलवार को ही एक कॉन्फ्रेंस के दौरान यह कहा था कि वैक्सीन कि किल्लत दूर करने के लिए इसका फॉर्मूला 10 कंपनियों को दिया जाए और इसके एवज में उनसे रॉयल्टी भी ली जाए। उन्होंने कहा था कि इससे 15-20 दिनों के अंदर वैक्सीन की कमी दूर हो जाएगी।

गडकरी ने कहा, 'कल जब मैं एक कॉन्फ्रेंस में बोल रहा था, तब मैंने वैक्सीन उत्पादन को बढ़ाने का एक सुझाव दिया था। मुझे नहीं पता था कि मेरे बोलने से पहले ही केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया वैक्सीन उत्पादन बढ़ाने को लेकर सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से बता चुके हैं।'

# रेमडेसिविर की कालाबाजारी के तार मंत्री तुलसी सिलावट की पत्नी तक

**इंदौर।** कलेक्टर मनीष सिंह के खिलाफ जाकर इस्तीफा देने के बाद चर्चा में आई सीएमएचओ डॉ. पूर्णिमा गडरिया के ड्राइवर पुनीत को पुलिस ने रेमडेसिविर इंजेक्शन बेचते हुए गिरफ्तार किया है, उसके पास से एक इंजेक्शन भी मिला है।

आरोपीत ने कहा कि, उसने मंत्री तुलसी सिलावट की पत्नी के ड्राइवर से इंजेक्शन खरीदे थे, तथा बताया ड्राइवर उसके साथ ही ट्रेवल्स कंपनी में नौकरी करता था। पुनीत ने यह भी कबुल किया कि उसने कोरोना काल में कई लोगों को रेमडेसिविर इंजेक्शन बेचे हैं।

पूछताछ में विजयनगर पुलिस को पुनीत ने बताया कि उसने यह इंजेक्शन तुलसी सिलावट की पत्नी के वाहन के ड्रायवर गोविंद राजपूत से लिया था। उसे 14000-15000 रुपए में बेचना चाहता था, पुलिस को यह भी बताया कि, उसके पास ललित शर्मा नामक पुलिसकर्मी का फोन आया था जिसे वह यह इंजेक्शन देने जा रहा था, आरोपी इससे पहले दो बार डॉक्यूमेंट लेकर गोविंद के माध्यम से ही अस्पतालों में इंजेक्शन पुहंचा चुका है।

पुनीत ने बताया कि, स्वास्थ्य अधिकारी पूर्णिमा गडरिया के यहां वह कुछ दिन पहले ही काम पर लगा था. इसने यह भी कबूल किया कि, वह कोरोना काल में कई लोगों को इंजेक्शन दिलवा चुका है, आरोपी शहर की इन्पेट्स ट्रेवल्स में बतौर ड्राइवर कार्य कर रहा था. पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

मीडिया को पुनीत ने बताया कि, वह जिस ट्रेवल एजेंसी में काम करता है वहीं से उसकी दोस्ती गोविंद से हुई थी और गोविंद मंत्री जी के घर में उनकी धर्मपत्नी की गाडी का ड्राइवर है, हालांकि उसने यह नहीं बताया कि गोविंद कहां से इंजेक्शन लाता है। उक्त मामले में तुलसी सिलावट के रसुक के साथ ही विपक्ष आरोपो के साथ सिलावट को घेरने की पुरी तैयारी कर रहे है।

## नकली रेमडेसिविर: न्यायालय ने सरबजीत मोखा की पत्नी और अस्पताल एडमिनिस्ट्रेटर को रिमांड पर लेने के दिए आदेश

**जबलपुर।** लोगो की जान से खिलवाड कर आपदा को अवसर में तबदील करने वाले नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन मामले में आरोपी और सिटी अस्पताल के संचालक सरबजीत सिंह मोखा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। न्यायालय ने सरबजीत सिंह मोखा की पत्नी जसमीत मोखा और अस्पताल की एडमिनिस्ट्रेटर सोनिया खत्री शुक्ला की पुलिस रिमांड के आदेश जारी किए। पुलिस द्वारा दोनों से पूछताछ के लिए न्यायालय से रिमांड मांगा गया था।

कोर्ट ने सरबजीत की पत्नी जसमीत और हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेटर सोनिया खत्री शुक्ला की पुलिस को 20 मई तक रिमांड सौंपी है। पुलिस का कहना है कि, दोनों के द्वारा जांच में सहयोग नहीं किया जा रहा था, साथ ही महत्वपूर्ण साक्ष्य भी छिपाए जा रहे थे। लिहाजा पुलिस ने दोनों के खिलाफआईपीसी की धारा 201 के तहत मामला दर्ज कर दोनों को आरोपी बनाया है। मामले में आरोपी सरबजीत सिंह मोखा का बेटा हरकरण मोखा अभी तक फरार है। मामले में सरबजीत सिंह मोखा और अस्पताल का एक कर्मचारी देवेश चौरसिया केंद्रीय जेल जबलपुर में बंद हैं। वहीं मेडिकल संचालक सपन जैन अभी गुजरात पुलिस की हिरासत में है।

## बच्चों पर वैक्सीन के परीक्षण में दिल्ली हाई कोर्ट ने दिया नोटिस

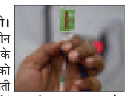

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बच्चों पर कोरोना वैक्सीन के दूसरे एवं तीसरे चरण के परीक्षण की इजाजत को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती की याचिका पर कोर्ट ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। दिल्ली हाई कोर्ट ने फिलहाल बच्चों पर वैक्सीन के ट्रायल पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

दिल्ली हाई कोर्ट में वकील संजीव कुमार ने अर्जी दाखिल कर याचिका में केंद्र की अधिसूचना को रद्द करने की मांग की है। दिल्ली हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल कर केंद्र की अधिसूचना भारत बायोटेक लिमिटेड को 2 से 18 वर्ष के आयु वर्ग में वैक्सिन के दूसरे और तीसरे चरण के परीक्षण करने की इजाजत केंद्र को अधिसूचना को चुनौती दी थी। याचिका में वैक्सीन के परीक्षण के लिए उन बच्चों या उनके परिजनों के साथ किए गए अनुबंध, परीक्षण के लिए तैयार सभी 525 बच्चो की सूची और उनके परिजनों की जानकारी देने की भी मांग भी की गई है।

## 20 जिलों में सबसे पहले कर्फ्यू हटेगा

**भोपाल।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और मध्यप्रदेश शासन के स्वास्थ्य विभाग की सरकारी रिपोर्ट कोरोना वायरस में कमी होने की सूचनाएं दे रहे हैं, परंतु केंद्रीय गाइडलाईन के अनुसार मध्यप्रदेश में सिर्फ 20 जिले हैं जो 30 मई तक कर्फ्यू और प्रतिबंध के दायरे से बाहर निकल सकते हैं। भारत सरकार की गाइडलाईन के अनुसार कर्फ्यू खत्म करने के लिए संक्रमण की दर कम से कम 1 सप्ताह तक 5 प्रतिशत से कम होना चाहिए।

### इन जिलों में सबसे पहले खुल सकेगे बाजार

प्रदेश के 20 जिलों में देवास, होशंगाबाद, विदिशा, छिंदवाड़ा, छतरपुर, श्योपुर, मंडला, गुना, झाबुआ, आगर मालवा, टीकमगढ़, बड़वानी, अशोकनगर, बालाघाट, निवाड़ी, मुरैना, भिण्ड, खण्डवा, बुरहानपुर तथा अलीराजपुर के साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट 10 प्रतिशत से कम है। जिस तरह से ग्राफनीचे जा रहा है उम्मीद की जा रही है कि 22 मई तक इन जिलों की पॉजिटिविटी रेट 5 प्रतिशत से कम हो जाएगी और यदि ऐसा हुआ तो 1 जून को कंटेनमेंट झोन छोड़कर शेष इलाकों में बाजार खोला जा सकेगा।

## टूलकिट का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, दोषी साबित होने पर कांग्रेस की मान्यता रद्द करने की मांग

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कांग्रेस के कथित टूलकिट मामले के खिलाफ देश के शीर्ष अदालत में याचिका दायर की गई है। मामले को सरकार के खिलाफ लोगों को भड़काने और दुनिया में भारत की छवि बिगाड़ने का साजिश बताया गया है। याचिकाकर्ता वकील शशांक शेखर झा ने अंतरराष्ट्रीय साजिश का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) जांच और दोष साबित होने पर कांग्रेस की मान्यता रद्द करने की मांग की है।

### टूलकिट पर आरोप-प्रत्यारोप

बता दें कि मंगलवार को टूलकिट मामले पर कांग्रेस और भाजपा के बीच दिनभर जुबानी जंग चलती रहीं। कांग्रेस ने इस बाबत भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पार्टी प्रवक्ता साबित पात्रा, समेत अन्य नेताओं के खिलाफएफआईआर दर्ज करने की मांग की। कांग्रेस ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर और एसएचओ तुगलक रोड पुलिस स्टेशन को पत्र लिखा। पत्र में जेपी नड्डा, साबित पात्रा, स्मृति ईरानी, बीएल संतोष समेत कई अन्य नेताओं के नाम हैं। पत्र में लिखा गया कि इन लोगों ने देश में सांप्रदायिक अशांति फैलाने के उद्देश्य से सोशल मीडिया के जरिए झूठी अफवाहें फैलाई जा रही है।

भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि, उनकी एक 'टूलकिट' के जरिए कोरोना संकट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि धूमिल करने की साजिश रच रहा है। वहीं भाजपा के हमले पर पलटवार करते हुए कांग्रेस रिसर्च डिपार्टमेंट के प्रमुख राजीव गौड़ा ने कहा कि, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के रिसर्च डिपार्टमेंट बताकर भाजपा फर्जी टूलकिट प्रचारित कर रही है। इस बाबत भाजपा नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रहे हैं।

## गुजरात में ताउते से हजारों घरों को पहुंचा नुकसान, 13 मौतें, पीएम ने किया हवाई सर्वे

**नई दिल्ली एजेंसी।** पीएम नरेंद्र मोदी ने गुजरात और दमन दीव में ताउते तूफान से हुए नुकसान का हवाई सर्वे करते हुए जायजा लिया। उन्होंने दीव, ऊना, जाफराबाद और महुवा जैसे इलाकों में ताउते से हुए नुकसान का जायजा लिया। पीएम नरेंद्र मोदी ताउते तूफान से हुए नुकसान और तैयारियों को लेकर अहमदाबाद में एक मीटिंग भी की। पीएम मोदी बुधवार को गुजरात के भावनगर पहुंचे और ताउते से हुए नुकसान और हालात का जायजा लिया। गुजरात के सीएम विजय रूपाणी ने पीएम नरेंद्र मोदी की इस दौरान अगवानी की।

## सीएम शिवराज का ऐलान- 31 मई के बाद कर्फ्यु नही लगा सकते, धीरे-धीरे खोलेगे बाजार

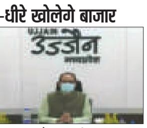

**उज्जैन।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उज्जैन में जिला, विकासखंड तथा ग्राम स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप को संबोधित किया। इस मौके पर सीएम ने अधिकारी कर्मचारियों के प्रयासों की तारीफकी और कहा कि, प्रशासन बधाई का पात्र है। सीएम ने कहा कि, जून से धीरे-धीरे कोरोना कर्फ्यू खोला जाएगा, लेकिन अभी कोरोना गया नहीं है और हमें ये बात समझनी होगी कि अभी भी हमें सावधानी रखनी है।

सीएम शिवराज ने कहा कि, कोरोना संक्रमण पूरी तरह से कंट्रोल करने की स्थिति में है। उन्होने कहा कि लगातार पॉजिटिविटी रेट घट रहा है, लेकिन हमें ओवर कॉन्फिडेंस में नहीं रहना है, कोरोना वायरस अभी भी है और ये इसलिए काबू में है क्योंकि हमने कोरोना कर्फ्यू लगाया हुआ है। सीएम ने कहा कि हम 31 मई का टार्गेट लें कि इस तारीक तक हम जीरो कोरोना केस तक पहुंच पाएं। सीएम ने कहा हम 31 मई से आगे कर्फ्यू नहीं लगा सकते क्योंकि जून में हमें सब खोलना ही पड़ेगा। उन्होने कहा कि हम अनलॉक भी वैज्ञानिक तरीके से करेंगे, हमें अनुशासन में रहना पड़ेगा, कोरोना को कंट्रोल करने के साथ हमें सामान्य जीवन की ओर लौटना पड़ेगा, गांव, वार्ड, ब्लॉक और जिले के क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप को जीरो कोरोना केस का लक्ष्य रखना होगा। 31 मई तक कोई छूट नहीं होगी, पूरी कड़ाई से पालन किया जाएगा।

# थाना प्रभारी पर दो महिलाओं ने लगाए गंभीर आरोप, लेकिन पुलिस की छवि धूमिल करने वाले पर कार्रवाई नही

## गूंज असर: खबर के बाद हरकत में आई रायपुरिया पुलिस, दर्ज किए वाहन चोरी के प्रकरण

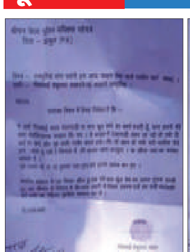

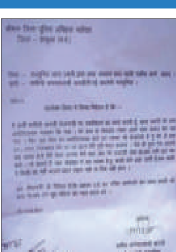

महिलाओं ने थाना प्रभारी तेजमल पंवार पर गंभीर आरोप के साथ एसपी को की शिकायत।

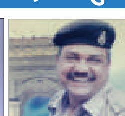

थाना प्रभारी तेजमल पंवार

**माही की गूंज, रायपुरिया।**

इन दिनों पुलिस की ड्यूटी अपने मूल कार्य अपराध नियंत्रण से हटकर बढ़ते कोरोना संक्रमण के कारण लगे कोरोना कर्फ्यू के पालन करवाने में लगी है। इस दौरान आपराधिक गतिविधियों में कमी जरूर आई है, लेकिन अपराध बन्द नही हुए और अपराध दर्ज नही होने के कारण पुलिस रिकॉर्ड बिल्कुल साफ दिख रहा है लेकिन हकीकत कुछ और ही है। रायपुरिया थाना क्षेत्र से विगत एक माह में चार दुपहिया वाहन चोरी हो चुके हैं जिसका प्रकरण दर्ज तक नही किया जा रहा था। वाहन चोरी की जानकारी जब गूंज को मिली तो माही की गूंज के 13 मई के अखबार में ''कोरोना कहर के बीच भी नही थम रहा चोरी का सिलसिला, पुलिस झूठी वाह-वाही लूटने में व्यस्त'', ''पंद्रह दिनों में 4 दुपहियां वाहन हो चुके है चोरी, मामले तक दर्ज नहीं कर रही पुलिस'' हेडिंग के साथ वाहन चोरी की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। जिसके बाद पुलिस ने वाहन चोरी के मामले दर्ज किए है। ऐसा पहली बार नही है जब पुलिस ने अपराध दर्ज करने में लापरवाही की हो, थाना प्रभारी अपना ट्रेक रिकॉर्ड साफ रखने के लिए अधिकांश छोटे-छोटे अपराध में प्रकरण दर्ज नही करते हैं।

### थाना प्रभारी की करतुतो से पुलिस की छवि हो रही धूमिल

इन दिनों पुलिस कोरोना कर्फ्यू के दौरान कर्फ्यू तोड़ने वालों पर सख्ती के साथ-साथ जरूरतमन्दो की मदद करती भी देखी जा रही है, लेकिन इस दौरान पुलिस का एक और चेहरा भी सामने आया है। महिला अपराधों को प्राथमिकता से नियंत्रण करने की जिम्मेदारी निभाने वाली पुलिस पर महिलाओं ने ही गंभीर आरोप लगा दिए है। रायपुरिया थाना प्रभारी तेजमल पंवार पर महिलाओं ने गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक के नाम से लिखित आवेदन दिया है। महिलाओं का आरोप है कि, थाना प्रभारी द्वारा मोबाइल नम्बर लेकर उस पर आपत्तिजनक बात की और अभद्र व्यवहार करते हुए माँ-बहन की गालियां दी। हालांकि मामला पुलिस से जुड़ा था इसलिए विभाग की और से इस मामले को कोई खास तव्वजो नही दी गई, लेकिन पुलिस पर लगे आरोप गंभीर है और इस प्रकार के झूठे आरोप ऐसे ही किसी थाना प्रभारी स्तर के अधिकारी पर लगा देना कोई मामूली बात नहीं है, इसलिए मामले की जांच जरूरी है।

मामले में एसडीओपी सोनू डावर ने बताया कि, महिलाओं द्वारा की गई शिकायत की जांच चल रही है। अब देखना यह है कि, पुलिस इस मामले में अपनी साख बचाती है या महिला अपराध के प्रति सजगता दिखाती है।

## नारदा घोटाला: ममता बेनर्जी के खिलाफ सीबीआई ने हाईकोर्ट में दायर की अर्जी, मुख्यमंत्री की बढ़ सकती है मुसीबत

**कोलकाता एजेंसी।** नारदा केस मामले में हर रोज नया मोड़ सामने आ रहा है। इस केस में मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी की मुसीबत बढ़ने वाली है। कलकता हाईकोर्ट के समक्ष नारदा केस को पश्चिम बंगाल से बाहर स्थानांतरित करने की मांग वाली याचिका में सीबीआई ने ममता बेनर्जी के नाम का जिक्र किया है। 17 मई को कोलकाता में सीबीआई ने इस घोटाले से जुड़े दो मंत्रियों को गिरफ्तार किया था। उसके बाद सीबीआई दफ्तर के परिसर में टीएमएसी कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया था। सीबीआई ने ममता बेनर्जी और टीएमसी नेता कल्याण बेनर्जी और मलय घटक को पक्षकार बनाया है। सीबीआई ने अपनी याचिका में सीएम ममता बेनर्जी के आचरण पर भी सवाल उठाया है।

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, नारदा सिंटग मामले को राज्य से बाहर स्थानांतरित करने की मांग करने वाली सीबीआई की ओर से दायर अर्जी में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी और कानून मंत्री मलय घटक को पक्षकार बनाया गया है। वहीं टीएमसी ने सीबीआई के खिलाफएफआईआर दर्ज कराई है। साथ ही नारदा केस में गिरफ्तारियों को गैरकानूनी बताया है।

# सांसद और जिलाध्यक्ष में फूट हुई उजागर

# कोविड प्रभारियों की नियुक्तियों के नाम पर अपनी ढपली अपना राग

## भाजपा के पार्षद, नेता, कार्यकर्ताओं को ताक में रख बाहरी लोगों को बनाया प्रभारी

**माही की गूंज, झाबुआ।**

कोरोना संक्रमण के भयानक प्रकोप के बाद दुबक के बैठे सांसद और जिलाध्यक्ष के बिच स्थितियां थोड़ी सामान्य होते ही फिर से राजनीति के मैदान में कूद पड़े है। एक और जिलाध्यक्ष अभी भी जिलेभर में कार्यकर्ताओं के पूर्ण समर्थन के लिए तरस रहे हैं और कई पुराने, वरिष्ठ कार्यकर्ताओ को हाशिए पर धक्केल कर जिला कार्यकारिणी में चाटुकार और ठेकेदारों को शामिल करने की जुगाड़ में लग है। वही तीन जिलो के सांसद केवल झाबुआ जिले में सिमटकर रह गए है। रतलाम और अलीराजपुर जिले में भाजपा का संगठन अपने अनुसार काम कर रहा है, लेकिन झाबुआ जिले का पूरा संगठन सांसद की बैसाखी पर आ गया है। भाजपा की नीति शुरु से यह रही है कि, संगठन में चुने हुए जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप केवल संगठन के आयोजन पर ध्यान देना और संगठन के निर्देश के अनुसार पार्टी के लिए कार्य करना होता था। लेकिन सांसद गुमानसिंह डामोर की राजनीति में आने और सांसद बनने के बाद से भाजपाई संगठन की हवा निकल गई। संगठन के पिछले दो कार्यकाल एक तरह से गुलामी में ही गुजर रहे हैं ओर संगठन के हर निर्णय पर सांसद का निर्णय हावी रहा है जिससे भाजपा में भारी फूट पड़ गई है। कई वरिष्ठ ओर पुराने कार्यकर्ताओ ने अब खुल कर विरोध शुरू कर दिया है। पार्टी ने इस ओर समय पर ध्यान ही नही दिया, तो आगमी चुनावों में परिणाम भाजपा के विपरीत आना तय है।

### कोविड प्रभारियों की नियुक्तियों के नाम पर अपनी ढपली अपना राग

वर्तमान में कोरोना से लड़ने के लिए वार्ड स्तर पर भाजपा कोविड प्रभारियों की नियुक्ति संगठन स्तर पर कर रही हैं, जिसकी जिम्मेदारी भाजपा कार्यकर्ताओं को दी जानी थी, लेकिन संगठन से परे सांसद ने अपनी और से अपनी सूची जारी कर दी। सांसद के कारण नुकसान की भरपाई करते जिलाध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर कार्यकर्ताओं द्वारा डाली जा रही पोस्ट से घबराकर संगठन पर ध्यान देते हुए एसडीएम को ही हुक्म दे डाला और अपने लेटर पेड़ में नियुक्ति कर प्रतिलिप भेज दी।

इस तरह की प्रतिलिपि तो संगठन के मुख्या होने के नाते संगठन को भेजनी होती हैं पर क्या करे सांसद ने संगठन तोड़ने के लिए जो नई टीम बनाई है या यूं कहे कि, भाजपा के समान संगठन चलाने के लिए वार्ड तक में नियुक्ति कर डाली। बड़ी बात तो ये है कि, सांसद ने ये नियुक्ति बिना संगठन की राय से की है और जिन लोगो की नियुक्ति की है उनको साहब खुद भी नही जानते हैं। जिस तरह सांसद भाजपा का विरोध कर कांग्रेस से आए लोगो को सहयोग करते हैं उन्हें महत्वपूर्ण पद दे रहे हैं। बात करे पेटलावद की तो वर्षो से पार्टी की सेवा कर रहे लोग को दरकिनार कर अपने खास जो पहले कांग्रेस सांसद प्रतिनिधि थे उन को भी उन्होंने उनका प्रतिनिधि नियुक्त किया।

सूत्रों के अनुसार थांदला के कार्यकर्ताओं की गलती यह हुई कि, जिस दिन हरदीप सिंह डंग आए थे तो उन्होंने सांसद से सहयोग की मांग की। फिर क्या प्रभारी मंत्री की हां में हां मिलाते सांसद को 10 लाख रूपए की राशि का भुगतान करना पड़ गया, जिससे नाराज सासंद ने उनको सबक सिखाने के लिए नियुति कर डाली। जिसमे वहां के कार्यकर्ता जो इतने दिन से मेहनत कर रहे थे, उनके नाम न होने से रोष व्याप्त है। पार्टी को बड़ा नुकसान होने के बारे में वहा के एक पदाधिकारी ने जिलाध्यक्ष पर दबाव डाला और ये ताना बाना तैयार किया। भाजपा के अनुसांगिक संगठन के लोग भी सांसद से खासे नाराज नजर आ रहे हैं, लेकिन वो भी क्या बोले उनके आकाओं से सांसद की तगड़ी सेटिंग है, चाहे संघ अभाविप सेवा भारती या कोई अन्य अनुसंगिग संगठन अपने पट्ठे पालने के चक्कर में जमीनी कार्यकर्ताओं से दूरी बनाई तो भाजपा को कार्यकर्ता भी नही मिलेंगे।

### नही हो पाई जिला कार्यकारिणी की घोषणा

भाजपा में चरम पर पहुंच चुकी गुटबाजी को खत्म करने के लिए लक्ष्मण सिंह नायक को जिलाध्यक्ष बनाया गया, लेकिन भाजपा का ये पासा उल्टा पड़ गया, गुटबाजी रुकने की बाज़ए उल्टा ओर बढ़ गई। नए जिलाध्यक्ष से लगातार विवाह और महिला द्वारा लगाए गए आरोप के बाद भाजपा को जबाब देते नही बन रहा है। आलम ये है कि, लक्ष्मण सिंह नायक की नियुक्ति के एक साल के बाद भी अपनी कार्यकारिणी घोषित नही कर पाए और जो नाम सामने आ रहे हैं उससे वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ताओं में नाराजगी भी देखी जा रही हैं।

### सांसद की कोविड प्रभारी की सूची के बाद सोशल मीडिया पर उठा मुद्दा

सांसद की कोविड प्रभारी की सूची के बाद सोशल मीडिया पर बने कई वाट्सएप्प ग्रुप में सांसद द्वारा की गई नियुक्तियों को लेकर भाजपा जिला कार्यालय मंत्री द्वारा कई ग्रुप में नियुक्ति को मनमाना रवैया बताया। साथ ही भाजपा से बाहर के लोगो की नियुक्ति का आरोप लगाते हुए खुलकर विरोध कर कम से कम भाजपा से संबंधित 10 ग्रुप में कमेंट किया। लेकिन राजनीति दवाब के कारण कमेंट डिलीट कर दिया गया। लेकिन कई लोगो ने स्क्रीन शॉट ले लिए थे जिससे स्थानीय स्तर पर हो रही गुटबाजी ओर फुट का पता चलता है।

## सिविल अस्पताल को दिया टैंकर, आवश्यकताओं को करेंगे जल्द पूरा- विधायक भूरिया

**माही की गूंज, थांदला।**

क्षेत्र के विधायक वीरसिंह भूरिया एक मात्र ऐसे विधायक है जो विगत 2 वर्षों से ग्रीष्मकालीन समय में क्षेत्र की जनता को टैंकरों के माध्यम से पीने का शुद्ध पानी सप्लाय कर रहे है। उनके द्वारा विगत दिवस कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए आयोजित रोगी कल्याण समिति की बैठक में पानी का टैंकर व शव वाहन देने की घोषणा की गई थी। उसमें से एक वादा पूरा करते हुए बुधवार को विधायक ने थांदला सिविल अस्पताल में आने वाले मरीजों के पीने के पानी की समस्या को दूर करने हेतु विधायक निधि से पानी का टैंकर प्रदान किया।

विधायक वीरसिंह भूरिया ने कहा कि, पूर्व में उन्होंने सिविल अस्पताल में आवश्यक सुविधाओं के लिए 5 लाख रुपए भी दिए है, वही आने वाले समय में एम्बुलेंस, शव वाहन तथा डिजिटल एक्स-रे मशीन की समस्या को प्राथमिकता से हल करना है। उन्होंने कहा कि, सिविल अस्पताल सुविधाओं से बेहतर बन जाएगा फिर किसी को महंगा ईलाज कराने बाहर नही जाना पड़ेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता राजेश जैन (काऊ), पार्षद युवा नेता कमालुद्दीन शेख, नगर युवक कांग्रेस अध्यक्ष सुधीर भाबर, बीएमओ अनिल चौहान, डॉ. मनिष दुबे, विधानसभा आईटी सेल अध्यक्ष रुसमाल मेडा, उपाध्यक्ष शहादत खान जिला सचिव मसुल भूरिया सरपंच जयसिंह, उदयसिंह डामोर, छतरियां भाबर आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## एसडीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित 18 प्लस के टीकाकरण केंद्र की ली जानकारी

**माही की गूंज, मेघनगर।** मेघनगर के नए एसडीएम आकाश सिंह ने पद ग्रहण कर उन्होने टीकाकरण केंद्र पर जाकर 18 प्लस के युवाओं के टीकाकरण की जानकारी स्टाफ से ली ओर टिकाकरण केन्द्र पर निरीक्षक किया। साथ ही मेघनगर सामूहिक स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया, पॉजिटिव पेशेंट से हाल-चाल जाने व चर्चा की और ओपीडी केन्द्र पर व जनरल वार्ड की स्थिति देखी। निरिक्षण के दौरान नवनियुक्त एसडीएम के साथ पूर्व एसडीएम लक्ष्मी नारायण गर्ग, लिंक अधिकारी, तहसीलदार हर्षल बहरानी, नायब तहसीलदार अजय चौहान, सीएमओ विकास डावर, बीएमओ शेलेक्सी वर्मा, डॉक्टर विनोद नायक, एसडीएम सहायक राजा टांक उपस्थित थे।

## पूर्व सीसीबी चेयरमैन श्री वसुनिया की स्मृति में बांटे भोजन पैकेट

**माही की गूंज, थांदला।**

क्षेत्र के समाजसेवी लोकप्रिय जननेता पूर्व सीसीबी चेयरमैन गौरसिंह वसुनिया की स्मृति में वसुनिया परिवार द्वारा स्थानीय सिविल अस्पताल, मिशन अस्पताल में मरीजों व उनके साथ आये एक अटेंडर को भोजन के पैकेट वितरित किए। वसुनिया परिवार द्वारा नगर के अन्य जरूरतमंदों में भी 551 भोजन पैकेट वितरित किए गए। इस दौरान रवि वसुनिया, अभिजीत डाबी (विक्की), कन्ना वसुनिया निरंजन पाठक, कमलेश जैन (दायजी), यतीन्द्र जैन, बीएमओ अनिल राठौड़ मनीष,अर्पित आदि समस्त वसुनिया परिवार का सहयोग रहा।

# कोरोना रोकथाम प्रबंधन समिति वार्ड के घर-घर जाकर कर रही सर्वे

**माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)।**

कोरोना कि रोकथाम के लिए भानपुरा नगर परिषद के सभी 15 वार्डों में कोरोना रोकथाम प्रबंधन समिति के सदस्यों व नगर परिषद के कर्मचारी, वार्ड आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका का दोरा चल रहा है। यह टीम घर-घर जाकर सर्वे कर रही है कोरोना पॉजेटिव रोगियों को किट वितरण कर रही है साथ ही वेक्सीन लगाने, मास्क लगानै ओर दो गज कि दुरी बनाने के लिए वार्डवासियों को संदेश दे रही है। नगर परिषद के वार्ड क्र 7 में भी डोर टू डोर सर्वे किया गया। डॉक्टर शेख गुड्डू, सेवा भारती के राजू बघेरवाल, नगर परिषद के कर्मचारी, हबीब खान, आंगनवाडी कार्यकर्ता शमशाद अगवान, सुगनलता डोरिया, सुपरवाइजर, किशनलाल कनेरा, आशा कार्यकर्ता, जायदा अगवान साथ थे। सदस्यों ने वार्डवासियों को कोरोना रोकथाम और उसके बचाव के बारे में जानकारी दी।

## खराब मौसम की वजह से मुख्यमंत्री का दौरा निरस्त, उज्जैन से वीसी के जरिए ली बैठक

**माही की गूंज, रतलाम।**

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का बुधवार को होने वाला रतलाम दौरा निरस्त हो गया है। ताऊ-ते तूफान की वजह से खराब हो रहे मौसम के चलते सीएम रतलाम नहीं आ सके। मुख्यमंत्री ने उज्जैन से ही वीसी के माध्यम से रतलाम के अधिकारियों को कोरोना की रोकथाम के लिए दिशा निर्देश दिए। जिले में कोरोना की रोकथाम की व्यवस्थाओं का जायजा लेने स्वयं मुख्यमंत्री बुधवार को रतलाम पहुंचने वाले थे। जिसके लिए आज सीएम के आगमन कि तैयारियां भी पूरी कर ली गई थी। सीएम दोपहर सवा 12 पर हैलीपेड से सीधे कलेक्ट्रेट पहुंचकर अधिकारियों की मीटिंग लेने वाले थे लेकिन मुख्यमंत्री का दौरा रद्द होने से जिले के अधिकारी सीएम की विडिओ कांफ्रेंसिंग की बैठक की। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना संक्रमण काल मे अपने दौरे के दौरान जिले के आला अधिकारियों को आगवानी करने नहीं आने के निर्देश भी दिए थे। मुख्यमंत्री इस दौरे के दौरान 70 मिनट तक रतलाम में रहकर कोरोना की रोकथाम के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करने वाले थे। लेकिन ताऊ ते तूफान की वजह से बिगड़े मौसम ने मुख्यमंत्री के इस प्रस्तावित दौरे को प्रभावित कर दिया है।

## आकाश सिंह होंगे अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर

**माही की गूंज, झाबुआ।** कलेक्टर द्वारा प्रशासकीय कार्य सुविधा की दृष्टि से आकाश सिंह (परिविक्षाधीन) सहायक कलेक्टर भारतीय प्रशासनिक सेवा को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दण्डाधिकारी अनुभाग मेघनगर का प्रभार अन्य आदेश पर्यन्त सौंपा गया है। इस अवधि के दौरान एलएन गर्ग डिप्टी कलेक्टर जिला झाबुआ लिंक अधिकारी के रूप में कार्यरत रहेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

## नगरीय स्तर पर आपदा प्रबंधन समिति का किया गठन

**माही की गूंज, थांदला**

इस कोरोना जेसी वैश्विक महामारी के चलते प्रथम चरण के समाप्त होने के बाद वर्तमान में द्वितीय चरण चल रहा, जिसमे हमारे कई अपने हमसे दूर हो गये भविष्य में इस महामारी से निपटने के लिए एवं नगर में कोरोना वायरस की रोकथाम हेतु नगरीय स्तर पर आपदा प्रबंधन समिति का गठन किया गया। समिति में वार्ड क्रमांक 1 से 15 तक के सांसद एवं विधायक द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि एवं प्रत्येक वार्ड के समिति सदस्य, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि के साथ गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए। जिसमे नगर को इस महामारी से बचाने हेतु नगर परिषद् अध्यक्ष बंटी डामोर द्वारा उपस्थित महानुभावो को अपने मिले दायित्वों का निर्वहन करने की समझाइश दी और बताया कि, वर्तमान में यह महामारी में हमें मैदान में उतर कर हर संभव प्रयास कर हर व्यक्ति की मदद करना है, जिस हेतु प्रशासन तो अपना कार्य कर रहा है। साथ ही बताया की किसी भी संक्रमित व्यक्ति को अब भयभीत होने की आवश्यकता नही है नगर के समस्त व्यापारी बंधुओ एवं समाज सेवियों द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे है अब बारी है कि, हम 1 और 1 मिलकर 11 बने जिससे हम मजबूती से इस महामारी का मुकाबला करे और कोरोना को हराए स आपदा प्रबंधन समिति की बैठक का सञ्चालन यशदीप अरोरा द्वारा किया गया उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर परिषद् अध्यक्ष बंटी डामोर, उपाध्यक्ष मनीष बघेल, मंडल अध्यक्ष समर्थ उपाध्याय, कोविड प्रभारी अनिल भंसाली, लक्षमण राठोड, रोहित बैरागी, आरसी हालू मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत थांदला, शीतल कुमार जैन, विजय गिरी, टीटीया देवदा आदि उपस्थित थे।

# आपदा को अवसर बनाकर गार्डन मालिक गादीया बना रहा दीवार

## शिकायत के बाद भी एसडीएम ने नही ली सूद, मिलीभगत की आशंका

## बिना अनुमति चल रहे कार्य को नगर परिषद ने रोकने के लिए जारी किया नोटिस

**माही की गूंज, पेटलावद।**

डेढ़ साल की कांग्रेस सरकार में कई भूमाफियाओ के कब्जे में सरकारी भूमि या रजिस्ट्री से अधिक भूमि की बात सामने आई थी, लेकिन स्थानीय प्रशासन ने रिश्वतखोरी के चक्कर ने सरकार की मंशा पर पानी फेर दिया और लेन-देन कर दिखावे की कार्रवाई कर इतिश्री कर ली। नगर के थांदला रोड़ स्थित प्रेम सागर गार्डन के बाहर सरकार ने लगभग 11 हजार स्केवयर फिट भूमि गार्डन मालिक गादीया के कब्जे से छुड़ाई थी और मध्यप्रदेश शासन के कब्जे वाली भूमि का बोर्ड लगाया था। लेकिन स्थानीय प्रशासन ने पहले तो कब्जे की कार्रवाई करके गार्डन मालिक से लेन-देन कर लिया और नपती में सेटिंग कर ली, फिर भी जो भूमि कब्जे में ली गई उससे गॉर्डन का रास्ता बंद हो गया। तारफेन्सिंग के समय प्रशासन ने एक बार फिर गोटी-सोटी बिठाकर गार्डन मालिक को आवाजाही का रास्ता दे कर तारफेन्सिंग कर दी, जबकि गार्डन मालिक द्वारा अपनी भूमि के आगे की भूमि बेच दी और रास्ते के लिए सरकारी भूमि में से जगह दे दी। तारफेन्सिंग के बाद से भूमि ऐसी ही पड़ी थी फिर सरकार अचानक बदल गई तो वर्षो से सरकारी भूमि का उपयोग करने वाले गार्डन मालिक गादीया को एक बार फिर से भूमि पर कब्जा करने का अवसर मिल गया।

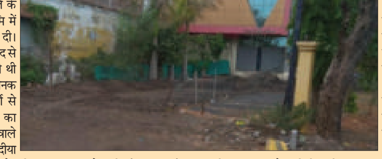

### तार फेंसिंग के पास दीवार बनाने की तैयारी

आपदा के समय को अवसर बनाते हुए गार्डन मालिक ने तारफेन्सिंग के पास दीवार निर्माण का कार्य शुरु कर दिया था। मामले में उक्त भूमि में बड़ा हिस्सा अपना निजी बताने वाले जोशी परिवार के रितेश जोशी ने अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद को लिखित शिकायत करते हुवे उक्त निर्माण कार्य को बिना अनुमति ओर गलत तरीके से करना बताया लेकिन शिकायत के बाद भी उक्त मामले कोई कार्यवाही नही की गई जिससे ये साफ होता है कि सरकार बदलते ही गार्डन मालिक ने अपने सत्ताधारी दल के नेताओ के प्रभाव से कार्य शुरु कर दिया है जिसे अधिकारी या तो सत्ता के दबाव में भेंट पूजा के चक्कर मे नही रोक पा रहे हैं । शिकायत कर्ता रितेश जोशी ने बताया कि अधिकारियों को लिखित शिकायत करने के बाद भी किसी प्रकार की कार्यवाही नही हुई ,सीएम हेल्पलाइन पर फोन करने पर भी शिकायत दर्ज करने के स्थान पर स्थानीय अधिकारीयो से संपर्क करने को कह दिया गया। नगर परिषद के अध्यक्ष मनोहरलाल भटेवरा ने बताया कि गार्डन मालिक द्वारा निर्माण की किसी प्रकार की कोई अनुमति नही ली है और निर्माण की जानकारी मिलने पर नगर परिषद की ओर से नोटिस जारी कार्य रोका गया है , कार्य फिर भी जारी रहा तो आवश्यक कार्यवाही निर्माणकर्ता पर की जाएगी।

### गूंज पोर्टल पर खबर के बाद बन्द हुआ काम, पीछे के हिस्से में काम जारी

मामला गूंज की जानकारी में आने के बाद गूंज पोर्टल पर प्रमुखता से उठाया था जिसके बाद गॉर्डन मालिक ने सामने से दिख रहे निर्माण कार्य को बन्द कर दिया लेकिन पीछे के हिस्से में निर्माण जारी रखा, नगर परिषद के नोटिस के बाद गार्डन मालिक गादीया अब अनुमति की जुगाड़ कर रहा है जहां लेन देन कर अनुमति ले सकता है , बिना चतुर्थ सीमा वाली रजिस्ट्री पर नगर परिषद बिना नाप तोल के कैसे अनुमति देती हैं ये देखना होगा।

# मैं अपने निजी नलकूप और टैंकर से गर्मी में जल प्रदाय करूंगा..?

कांग्रेस के युवा नेता कमलेश पाटीदार विधायक से दिए गए टेंकर से पानी कर रहे वितरीत, पानी की ऐसी समस्या कि भुल जाते है दो गज दुरी की बात।

**माही की गूंज, खवासा। विजय पाटीदार**

चुनावी वादे और जितने के बाद की हकीकत में जमीन आसमान का अंतर होता है। चुनाव के समय नेता हथेली में भी हाथी दिखा देते हैं, वहीं चुनाव के बाद वे अपने वादे भूलकर निजी स्वार्थ की पूर्ति में ही लगे रहते हैं। कुछ ऐसा ही उदाहरण ग्राम खवासा की जनता को इन दिनों देखने को मिल रहा है। तत्कालीन सरपंच पद के उम्मीदवार ने सार्वजनिक कार्यक्रम जनमंच के माध्यम से आम जनता को आश्वस्त किया था कि, खवासा में भीषण जल संकट को देखते हुए अपने निजी नलकूप व टैंकर के माध्यम से खवासावासियों को निःशुल्क जल प्रदान करूंगा। लेकिन विगत 6 वर्षों में देखें तो तत्कालीन उम्मीदवार और वर्तमान में प्रधान का यह दावा खोकला ही साबित हुआ है। शुरुआती वर्ष में जरूर कुछ टैंकर से जल प्रदाय किया गया था लेकिन वह भी ''ऊंट के मुंह में जीरा'' ही साबित हुआ था। वर्तमान में कोरोना कर्फ्यू के चलते आम लोगों को कोरोना कर्फ्यू का पालन करते हुए जल संकट का सामना करना टेढ़ी खीर साबित हो रहा है, ऐसे में वे घर में रहे तो जल संकट व बाहर जाए तो कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघन, यानी एक तरफ कुआं और दूसरी तरफ खाई।

### वर्षों पुराना है खवासा का जल संकट

खवासा के जल संकट का इतिहास काफी पुराना है या यूं कहे तो आजादी के बाद से ही यहां जल संकट बना हुआ है। यहां के वे लोग जो बाहर जाकर बस गए हैं वो भी खवासा के जल संकट पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहते हैं कि, सब कुछ बदल गया लेकिन खवासा का जल संकट नहीं बदला। कई विधायक व सांसद आए व गए, लेकिन यह समस्या यथावत जारी है। 50 लाख की ढोल खरा नल-जल योजना, पानी की टंकी, सम्पवेल व अन्य सभी संसाधन होने के बावजूद यहां मई-जून में केवल तीन से चार बार ही जल वितरण हो पाता है।

### घर-घर में नल से जल प्रदाय की योजना

केंद्र सरकार 2025 तक आबादी के एक बड़े हिस्से में नलो द्वारा घर-घर पेयजल पहुंचाने की योजना पर कार्य कर रही है। कई गांव में योजना का शिलान्यास सांसद महोदय स्वयं कर रहे हैं, यह बहुत ही अच्छा है। लेकिन सांसद महोदय पूर्व से चली आ रही योजनाओं की समीक्षा भी कर लेते तो शायद खवासावासियों को इतने भीषण जल संकट का सामना नहीं करना पड़ता। पहले से ही नलो द्वारा घर-घर पानी पहुंचाने की योजना की समीक्षा करने पर कई जगहों पर खवासा जैसी स्थिति सामने आ सकती है, जहां लाखों रुपए खर्च करने के बावजूद जल संकट यथावत बना हुआ है।

### विधायक निधि के टैंकर से जल प्रदाय

कहते हैं, संकट के समय दिया गया साथ, सफलता मिलने पर ताली बजाने से कई ज्यादा बेहतर होता है। ऐसे भीषण जल संकट के समय कांग्रेस के युवा नेता कमलेश पटेल आगे आए हैं, वे विधायक निधि से प्राप्त टैंकर से पिछले वर्ष की तरह थोड़ा-थोड़ा ही सही पर जल वितरण अवश्य कर रहे हैं। लेकिन इतने बड़े गांव में एक टैंकर से पानी वितरण किया जाना नाकाफी साबित हो रहा है। बेहतर होता कि, ग्राम पंचायत भी अपने वादे किए अनुसार अपने संसाधन से केवल गर्मी में ही सही पर टैंकर द्वारा जल प्रदाय तो करें।

वही कुछ ग्रामीणों का कहना है कि, अगर ग्राम पंचायत निःशुल्क सेवा नहीं कर सकती है तो मिनीमम शुल्क के साथ ही टैंकर प्रारंभ कर दें, जिससे जरूरतमंद अपनी जरूरत के हिसाब से ग्राम पंचायत के टैंकर से एक या दो ड्रम पानी खरीद सके, जिससे कोरोना काल में उनकी वित्तीय स्थिति भी प्रभावित न हो।

## कॉम्पलेक्स मामले में सीएम हेल्प लाइन के लेवल चार पर पहुंची शिकायत

**माही की गूंज, रायपुरिया।**

विगत दिनो से रायपुरिया पंचायत का अनियमित्ता का मामला अभी भी फ़ाइलो मे पडा है। कुछ समय पहले एक आवेदक ने जनपद पंचायत पेटलावद मे आवेदन देकर ग्राम पंचायत के नवीन कॉम्पलेक्स को लेकर जांच करवाई थी, जांच दल ने पंचायत में जाकर जांच भी की थी। जिसमे दुकानो को लेकर पंचायत ने फेर बदलकर दिया था, यह जांच मे भी पाया गया है। इसी कडी मे जब आगे की कार्रवाई जनपद पंचायत ने नहीं की तो आवेदक ने 20 मार्च को जिला कलेक्टर के माध्यम से जिला पंचायत मे आवेदन देकर आगे की कार्रवाई की मांग की थी।

शिकायतकर्ता राहुल गोस्वामी का कहना है कि, अभी तक कार्रवाई नही हुई है। वहीं जिला पंचायत सीओ का कहना है कि, मामला मेरे संज्ञान में नहीं था अब आया है।

सीएम हेल्प लाइन में की शिकायत लेवल चार पर पहुंची चुकी है। आवेदक को न्याय नहीं मिलने पर लगातार सीएम हेल्प लाइन पर संपर्क कर रहा है जहा पर कोइ भी अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। जिससे लगता है कि, सीएम हेल्प लाइन का भी कोई महत्व नहीं रहा।

## भाजपा के वरिष्ठ नेता सहकारी समिति उपाध्यक्ष श्री मेहता का निधन

**माही की गूंज, पेटलावद।**

कोरोना काल मे लगातार राजनीतिक दलों को भी झटका लग रहा है कांग्रेस और भाजपा को एक क बाद एक नेता काल के ग्रास बन रहे हैं। बुधवार को भाजपा ने एक वरिष्ठ नेता खो दिया, कोरोना को मात देकर घर लौट चुके भाजपा के वरिष्ठ नेता अम्बालाल मेहता सेमरोड का दुःखद निधन हो गया। बुधवार को रायपुरिया से घर लौटने के बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी जिससे बाद उनका निधन हो गया। अम्बालाल मेहता भाजपा के वरिष्ठ नेता सांसद स्व. दिलीप सिंह भूरिया एवं निर्मला भूरिया के काफी करीबी थे, निर्मला भूरिया उन्हें पिता समान मानती थी। अम्बालाल मेहता वर्तमान में आदिम जाति सहकारी समिति बोलासा में उपाध्यक्ष थे। वे भाजपा में संगठन की विभिन्न पदों पर रायपुरिया मंडल के पूर्व मंडल अध्यक्ष, जिला मंत्री सहित संगठन के कई पदों पर रह चुके हैं और वर्षों तक बोलासा पंचायत के सरपंच बाद में उपसरपंच पद पर काफी समय तक रहे। श्री मेहता के निधन से अंचल में शोक की लहर है वही भाजपा का एक ओर सिपाही इस कोरोना काल मे साथ छोड़ कर चला गया।

## टिकाकरण के लिए किया जा रहा प्रेरित

**माही की गूंज, परवलिया।**

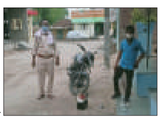

कोरोना महामारी से बचने के लिए सरकार द्वारा नित नए-नए प्रयास किए जा रहे है, जिसमे से एक है टिकाकरण। टिकाकरण के चलते लोगो में अफवाहो के कारण भय का माहौल पैदा हुआ है। उसी के चलते ग्राम परवलिया के चौकी प्रभारी श्री पाल द्वारा गांव-गांव व फलियों-फलियों में टिकाकरण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही कोरोना गाईडलाइन का पालन करने, बिना वजह घर से बाहर न निकलने, मास्क पहनने, सामाजिक दुरी बनाए रखने आदि की समझाइश भी दी जा रही है।

## जिला प्रभारियों की बैठक सम्पन्न

**माही की गूंज, झाबुआ।** भाजपा जिला कार्यालय पर कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम के लिए तहसील प्रभारी तथा ब्लॉक प्रभारियों की बैठक सम्पन्न हुई। जिला भाजपा मीडिया प्रभारी योगेन्द्र नाहर ने बताया कि कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम के लिए गठित समिति की समीक्षा बैठक जिला भाजपा कार्यालय पर सांसद गुमानसिंह डामोर, अजजा के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाबोर, भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक के नेतृत्व तथा मार्गदर्शन में तथा तहसील प्रभारियों व ब्लॉक प्रभारियों की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में प्रमुख रूप से वैक्सीनेशन के संबंध में उचित पात्र व्यक्तियों को खाद्य सामग्री प्रदान हो इस संबंध में बैठक में विस्तृत विचार विमर्श किया गया।

## जिला सहकारी बैंक शाखा थांदला में लगा स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प

**माही की गूंज, थांदला।**

सिविल अस्पताल थांदला के ब्लॉक मेडिकल अधिकारी डॉ. अनिल राठौर के नेतृत्व में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए रोजाना भीड़ वाले स्थानों पर स्वास्थ्य परीक्षण केम्प का आयोजन किया जा रहा है। स्वास्थ्य परीक्षण का मुख्य उद्देश्य जनता को कोरोना संक्रमण से बचाना व उन्हें स्वस्थ्य बनाये रखना है। इसके लिए स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा लगातार जनता के बीच जाकर उनकी स्क्रीनिंग की जा रही है वही संदिग्ध लोगों की कोरोना जाँच भी की जा रही है। हल्की सर्दी खांसी व अन्य बीमारी के मरीजों को उचित परामर्श देते हुए निःशुल्क दवाई भी वितरित की जा रही है। ये कर्मचारी ग्रामीण जनता में वैक्सीनेशन के भय को दूर कर उसके फायदे भी बता रहे है। इसी तारतम्य में ब्रांच मैनेजर पारसिंग मुणिया की मौजूदगी में बीएमओ के साथ डॉ. पंकज खतेड़िया, डॉ. अशवाक मंसूरी, बीसीएम कलेसिंह परमार, डॉ. रोशनी मण्डलोई, डॉ. कालूसिंह अमलियार, फर्मेसिस्ट माखन परिहार, लेब टेक्नीशियन सुनील मैडा, विकास वर्मा द्वारा करीब 100 से अधिक किसान एवं खाताधारकों की स्क्रीनिंग कर उन्हें उचित परामर्श दिया गया।

## स्व. अनिल माधव दवे की याद में किया वृक्षारोपण

**माही की गूंज, पेटलावद।**

जन अभियान परिषद के द्वारा स्व. अनिल माधव दवे की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर शासकीय महावीर महाविद्यालय परिसर में उनकी याद में श्रद्धांजलि के रूप में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर विकासखण्ड समन्वयक प्रवीण पंवार ने कहा कि, आज देश में आत्मनिर्भर भारत बनाने के सरकारी प्रयास हो रहे हैं। लेकिन ऐसा तभी संभव है जब हमारे देश का सामुदायिक नेतृत्व सशक्त हो। वर्तमान में इस दिशा में जमीनी प्रयास कम दिख रहे हैं, तब ऐसे महान मानवकल्याणविद स्व. अनिल माधव दवे का ध्यान आता है। श्री दवे एक ऐसे राजनेता जो अपनी वसीयत में लिख जाते हैं कि, ''जब मैं सदैव के लिए सो जाऊं तो मेरी याद में एक नन्हा सा पौधा रोप देना, उसे पोसना, बड़ा करना और हां, ख्याल रखना उस पर भी मेरा नाम न आने पाए''। ऐसे अनिल माधव दवे को उनकी चतुर्थ पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि।

उक्त कार्यक्रम में बार एसोसिएशन के सचिव बलदेवसिंह राठौर, प्रोफेसर कैलाश मैड़ा, पूर्व पार्षद और युवा नेता राकेश मांडोत, सामाजिक कार्यकर्ता और मेंटर्स विनोद बाफना, सांसद प्रतिनिधि दीपक पडियार, कोरोना वॉलिंटियर नीलेश कटारा, दिनेश परमार, हर्ष दवे, दिलिप मकवाना आदि उपस्थित रहे।

## सहकारीता बैंक के प्रबंधक ने भीड़ नियंत्रण के लिए एसडीएम को दिया आवेदन

**माही की गूंज, थांदला।**

जिला सहकारी बैंक के शाखा प्रबन्धक ने थांदला अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं थांदला पुलिस थाना प्रभारी को आवेदन देकर दो पुलिस जवान की मांग की है। उन्होंने बताया कि, कोरोना संक्रमण के दरमियान प्रधानमंत्री सम्मान निधि के तहत 3 हजार 899 किसानों के खातों में 84 लाख 2 हजार रुपए की राशि जमा हुई है। जिसे निकालने के लिए किसान अधिक तादाद में आ रहे है व भीड़ अनियंत्रित हो रही है, ऐसे में कोरोना संक्रमण फैलने का खतरा भी बना हुआ है। जिसके चलते बैंक शाखा कार्यालय के बाहर उक्त किसानों की भीड़ नियंत्रण के लिए दो पुलिस जवान की तैनाती की जए।

## किल कोरोना अभियान के तहत कर्मचारियों का दल कर रहा घर-घर सर्वे

**माही की गूंज, सारंगी।**

किल करोना अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग, ग्राम पंचायत की संयुक्त टीम द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर सर्वे किया जा रहा है। पेटलावद बीएमओ डॉ. एमएल चोपड़ा के आदेशानुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सारंगी एमओ डॉ. सुरेश कटारा के मार्गदर्शन में टीम द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में घर-घर जाकर सर्वे किया जा रहा है, साथ ही स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जा रहा है।

टीम द्वारा बैंगनबड़ी पंचायत के ग्राम हिंडोला, बावड़ी में घर-घर जाकर सर्वे किया और लोगो का परीक्षण कर उन्हें समझाइश दी गई कि, मास्क लगाएं, सामाजिक दूरी बनाए रखें, हाथों को बार-बार धोएं, बिना काम से बाजारों में नहीं जाएं, अपनी बारी आने पर टीका लगवाने के लिए भी प्रेरित किया।

सर्वे टीम में एनएम निशा बंसल, आशा सहयोगिनी कौशल्या वर्मा, आशा कार्यकर्ता पांचूड़ी बाई, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुरता बाई आदि उपस्थित थे।

# 102 वर्ष की आयु में संथारे के साथ जैन भागवती दीक्षा सम्पन्न

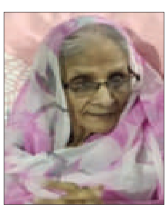

**माही की गूंज, थांदला।**

सकल जैन समाज में तीन मनोरथ का जिक्र आता है, पहला आरम्भ परिग्रह घटाने का, दूसरा उसे पूर्णतया त्याग कर जैन साधु बनने का व तीसरा अन्न जल त्याग कर पंडित मरण (संथारा) मरने का। हर व्यक्ति के लिए यह तीन मनोरथ की भावना करना भी सहज नही है ऐसे में इसे प्राप्त करना तो अति दुष्कर कार्य है। लेकिन यह दुष्कर कार्य भी जिन शासन में होते आए है यही इसकी प्रभावना भी है व गौरव भी।

पहला अनूठा प्रसंग 18 मई मंगलवार को थांदला में घटित हुआ जब 102 वर्ष की आयु में छाजेड़ परिवार के श्री स्व. माणकलाल छाजेड़ की धर्मपत्नी, महासती प्रतिज्ञाजी मसा की सासु माँ व शतायु गेंदालाल शाहजी की बहन सुश्राविका संथारा साधिका धर्मनिष्ठ श्रीमती सुगंधबाई छाजेड़ ने अपना अंतिम समय निकट जानकर संथारे के साथ जैन भगवती दीक्षा ग्रहण कर नवदीक्षिता महासती श्रीसुलीनाजी मसा बन गई। स्थानीय पौषध भवन में सादगी पूर्ण समारोह में परिवार व संघ पदफ़्हीकरियों की मौजूदगी में यहां विराजित स्थविर साध्वी पूज्या श्रीनिखिलशीलाजी मस ने पूरी दीक्षा विधि सम्पन्न करवाई। यह दीक्षा कई मायनों में ऐतिहासिक हुई है। इस पंचम आरे में एक ही परिवार से सास-बहू के रूप में दीक्षित होने के साथ 102 वर्ष की दिर्घायु में होने वाली यह पहली दीक्षा है।

सुगंधबेन का सांसारिक पीहर परिवार थांदला के ख्यात शाहजी परिवार से ही है। केसरबाई व सेठ जोरावरमल शाहजी आपके सांसारिक माता-पिता है। 2 भाई व 5 बहनों में 1 बहन (रतनकुंवरजी मसा) पूर्व में दीक्षा ग्रहण कर चुकी है, वही आपकी एक बहु (प्रतिज्ञजी मसा) ने भी दीक्षा ग्रहण की है। सांसारिक पक्ष में आपके 2 बेटे व 6 बेटिया है।

सुगंधबाई छाजेड़ के संथारा ग्रहण कर दीक्षा के दुर्लभ अवसर पर छाजेड़ व शाहजी परिवार के अलावा, वयोवृद्ध 108 वर्षीय गेंदालाल शाहजी, श्रीसंघ अध्यक्ष जितेन्द्र घोड़ावत, संघ सचिव प्रदीप गादिया, धर्मदास गण परिषद के भरत भंसाली, आईजा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पवन नाहर, ललित जैन नवयुवक मंडल अध्यक्ष कपिल पिचा, धर्मलता महिला मंडल अध्यक्षा शकुंतला कांकरिया, जैन सोशल ग्रुप के महावीर गादिया सहित अनेक पदाधिकारी व रिश्तेदार मौजूद थे।

# आखिर क्यों झूल गया फांसी पर शाखा प्रबंधक, सुसाइड नोट भी छोड़ा

### नगर की पॉश कॉलोनी में वेयर हाउस के शाखा प्रबंधक का शव घर मे फांसी के फंदे पर झूलता मिला

**माही की गूंज, पेटलावद।**

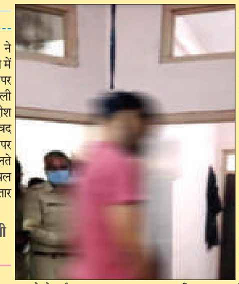

वेयर हाउस के शाखा प्रबंधक ने मंगलवार को शहर की दमोदर कॉलोनी में अज्ञात कारणों के चलते फांसी के फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली। मिली जानकारी अनुसार विनोद पिता जगदीश सांवले निवासी खरगोन जो की पेटलावद वेयर हाउस में शाखा प्रबंधक के पद पर पदस्थ है, जिसने अज्ञात कारणों के चलते आत्महत्या कर ली। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को फांसी के फंदे से उतार पीएम के लिए भेजा।

### शव के पास से सुसाइड नोट भी मिला

प्रबंधक ने अपनी जीवन लीला समाप्त करने से पूर्व एक सुसाइड नोट भी छोड़ा, जिसमे अपनी मौत के स्प्ष्ट कारण नही देते हए अपनी मर्जी से आत्महत्या करना बताया है और इसके पीछे कोई जिम्मेदार नही माना जाए ऐसा सुसाइड नोट में लिखा है और सुसाइड नोट में किसी भी परिजन को परेशान नही करने व शव को उनके सुपर्द करने के बारे में भी लिखा है। पुलिस की सुचना के बाद परिजन पेटलावद पहुंचे ओर शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौप दिया गया। मृतक का अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम ले जाकर किया गया। परिवार ने भी मामले में कोई आरोप किसी पर भी नही लगाया हैं। बताया जा रहा है, शाखा प्रबंधक ने पारिवारिक कारणों के चलते आत्महत्या की है। हालांकि पूरे मामले को लेकर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में ले लिया है, जांच के बाद ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल पुलिस भी इसे आत्महत्या ही मान रही है।

संपादकीय

## बड़ी चिंता: ब्लैक फंगस

कोविड-19 के संक्रमण से ठिक हुए कई लोगों को एक बहुत गंभीर बीमारी ब्लैक फंगस होने की खबरें देश के कई राज्यों से आ रही हैं। यह फंगस या फफूंद प्रकृति में काफी पाया जाता है, लेकिन यह बीमारी बहुत आम नहीं है, क्योंकि इसकी प्रवृत्ति ज्यादा संक्रामक नहीं है। पर अगर हो जाए, तो इसका इलाज बहुत आसान नहीं होता और बिना इलाज के यह संक्रमण घातक हो सकता है। भारत में स्वास्थ्य सुविधाएं पहले ही कोविड-19 के बोझ तले चरमराई हुई हैं, ऐसे में सरकार के लिए भी यह एक अतिरिक्त दबाव है। कह सकते हैं कि, देश की चरमराई हुई स्वास्थ्य सेवाओं की वजह से यह नई मुसीबत आई है। ब्लैक फंगस का संक्रमण आम तौर पर उन लोगों को होता है, जिनका प्रतिरोधक तंत्र किसी वजह से कमजोर है, डायबिटीज के मरीज भी इसके शिकार हो सकते हैं, क्योंकि उनका शरीर भी नए संक्रमणों का मुकाबला करने में अपेक्षाकृत कमजोर साबित होता है। हालांकि, अभी इस संक्रमण के फैलने की वजह यह दिखाई देती है कि, कोरोना के इलाज में शरीर के रोग प्रतिरोधक तंत्र को कमजोर करने वाली कॉर्टिकोस्टेराइड या कुछ अन्य दवाएं दी जा रही हैं। कोरोना के इलाज में कुछ हद तक ये ही दवाएं कारगर साबित हुई हैं। कोरोना की अपेक्षाकृत गंभीर स्थिति में वायरस के खिलाफ रोग प्रतिरोधक तंत्र की प्रतिक्रिया ज्यादा उग्र होती है, जिससे वायरस के साथ-साथ शरीर की अपनी कोशिकाएं भी नष्ट होने लगती हैं। रोग प्रतिरोधक तंत्र को दबाने वाली दवाएं इस प्रतिक्रिया की उग्रता कम करके नुकसान व पीड़ा कम करती हैं। जाहिर है, शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम करने के अपने खतरे हैं और उनके गंभीर दुष्परिणाम भी हो सकते हैं। इसीलिए इन्हें किसी डॉक्टर की लगातार निगरानी में सावधानी के साथ लिया जाना चाहिए और जैसे ही उनकी जरूरत खत्म हो, उन्हें बंद कर दिया जाना चाहिए। कोरोना विस्फोट के चलते बड़ी तादाद में मरीजों को डॉक्टरों की निगरानी नहीं मिल पाई। ऐसे में, लोग एक-दूसरे की देखा-देखी या सोशल मीडिया पर प्रचारित नुस्खों को देखकर दवाएं लेने लगे। सोशल मीडिया पर यह प्रचारित हो गया कि कॉर्टिकोस्टेराइड डेक्सामेथासॉन कोरोना की सस्ती व कारगर दवा है, और लोग अपने मन से इसे लेने लगे। डॉक्टर भी काम के बोझ के नीचे ऐसे दबे हुए हैं कि एक-एक मरीज पर व्यक्तिगत ध्यान देकर उनकी देखरेख कर पाना उनके लिए नामुमकिन है। वे भी कई बार यह ध्यान नहीं दे पाए कि किस मरीज को इन दवाओं की कितनी मात्रा में जरूरत है और किसे बिल्कुल नहीं। ऐसे में, ब्लैक फंगस जैसे संक्रमण के फैलने के लिए उर्वर जमीन पैदा हो गई। एक और खतरे की ओर कुछ डॉक्टरों ने ध्यान दिलाया है। कुछ लोग यह प्रचारित कर रहे हैं कि, शरीर पर गाय का गोबर लगाने से कोरोना से निजात मिलती है, ध्यान देने की बात यह है कि गोशालाओं, खासकर गोबर में ऐसे फंगस के फलने-फूलने के लिए उपयुक्त परिस्थितियां होती हैं। कई लोगों को ब्लैक फंगस इस वजह से भी हुआ हो, ऐसी आशंका है। बेहतर यही है कि लोग जहां तक हो सके, डॉक्टरों की सलाह से ही दवांईया लें और अगर ब्लैक फंगस का शक हो, तो किसी भी सूरत में तुरंत इलाज कराएं।

# शर्मनाक: नमामि गंगे में तैरती कोरोना लाशें!

गंगा भले ही मोक्षदायिनी हो परन्तु इतनी भी नही कि, माँ गंगा की गोद मे कोरोना संक्रमित लाशें डालने लग जाएं। हाल ही में उत्तर प्रदेश के गाजीपुर और बिहार राज्य के बक्सर में गंगा नदी में बहुतायात में तैरते मिले कोरोना संक्रमित शवों से पूरे देश मे हड़कंप मचा हुआ है। उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार तक के शासन-प्रशासन के लोग अब इस पूरे मामले की जड़ तक पहुंचने का प्रयास कर रहे है और दायित्व से बचने के लिए शवों को अपने यहां का न होने का दावा भी कर रहे हैं। लेकिन सच यह है कि, सैकड़ो की संख्या में शवो का मिलना न सिर्फ सरकार के स्तर पर अमानवीयता की पराकाष्ठा है वही दिवंगतों के परिजनों की बेबसी का प्रमाण भी है।

कोरोना संक्रमण से दिवंगत हुए लोगों की गंगा में तैरती लाशों से जनसाधारण के प्रति बढ़ते खतरों से इंकार नही किया जा सकता। हालांकि विषय से जुड़े वरिष्ठ वैज्ञानिकों का कहना है कि, जब तक वायरस को शरीर में होस्ट नहीं मिलेगा तब तक उसके फैलने या पनपने की आशंका करना सही नहीं है। डॉक्टर बलराम भार्गव ने कहा कि, वायरस को पनपने के लिए जीवित मानव शरीर जरूरी होता है। अगर मानव शरीर मृत है तो फिर उसमें वायरस के आगे पनपने या उनके ब्रीड करने की गुंजाइश बहुत ही कम रहती है। ऐसे में बहुत घबराने की बात नहीं है। लेकिन फिर भी सतर्क और सजग रहने की आवश्यकता जरूर है। गंगा में ऐसे एंटीबैक्टीरियल गुण जबरदस्त रूप से पाए जाते हैं। आज के समय मे गंगा का पानी अधिकतर जगहों पर आचमन योग्य नहीं है। गंगा जल से स्नान करना और पीना इस समय दोनों ही घातक है।

महामना मालवीय गंगा रिसर्च सेंटर के चेयरमैन प्रो. बीडी त्रिपाठी स्वीकारते है कि, गंगा के अंदर बहुत सारी लाशें मिली हैं, ये लाशें कोरोना से संक्रमित हैं और लोगों के पास जलाने की सुविधा नहीं थी तो उन्होंने लाशों को गंगा में प्रवाहित कर दिया। उनका मानना है कि, आम लाशों को भी गंगा में इस सोच के साथ प्रवाहित कर दिया जाता है कि उनको मोक्ष मिल जाएगा, लेकिन इससे गंगा का पानी प्रदूषित होता है। कोरोना से संक्रमित लाशों को गंगा में प्रवाहित करना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे गंगा प्रदूषित होगी और कोरोना का फैलाव भी होगा। क्योंकि दूसरी लहर सबसे ज्यादा खतरनाक है। जिससे बूढ़े से लेकर बच्चे तक संक्रमित हो रहे हैं और हजारों लोगों की मौत भी हो रही हैं। ऐसे में जिनकी मूत्यु कोरोना से हो गई है। उनकी लाश को गंगा में कतई न फेंके और जिस इलाके में इस तरह की लाशें पाई गई हैं उस क्षेत्र में लोग गंगा में स्नान बंद कर दें और गंगा के पानी का प्रयोग बंद कर दें क्योंकि, इससे संक्रमण का खतरा बढ़ गया है।

आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाया कि, सरकार की बदइंतजामी से यूपी में अब कोरोना से मरने वालों के शव लावारिस बताकर गंगा में बहाने का खेल शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में गंगा में बड़ी संख्या में शव का मिलना सरकार की बदइंतजामी का प्रमाण है। उत्तर प्रदेश सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री से इस जवाब भी मांगा है। उनकी माने बिहार प्रशासन भी कह रहा है कि, उनके यहां बड़ी संख्या में लावारिस शव मिल चुके हैं, जो यूपी से बहकर आए हैं। ऐसे तमाम शव हैं, जिनको श्मशान में स्थान न मिलने से लावारिस बताकर गंगा में बहा दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार की अकर्मण्यता के कारण कोरोना से मरने वालों का अंतिम संस्कार भी रीति-रिवाज के अनुसार नहीं हो पा रहा है। संजय सिंह का कहना है कि, कानपुर में गंगा के किनारे एक हजार से ज्यादा शवों को दफनाया जा चुका है। गंगा किनारे हर दूसरे कदम पर एक शव को दफ्ना दिया गया है। गंगा के घाट पर शवों की बदबू से लोग परेशान हैं। गंगा नदी में बहते शव इस बात के गवाह हैं कि, कोरोना से मरने वालों का अंतिम संस्कार करने के लिए श्मशान में व्यवस्था नहीं हो पा रही है। संजय ने कहा कि, बारिश में जब गंगा का जलस्तर बढ़ेगा तो किनारे दफनाए गए शव बाहर आ जाएंगे जिससे गंगा का जल प्रदूषित होगा और संक्रमण का खतरा और बढ़ेगा। सरकार ने अंतिम संस्कार के लिए प्रति व्यक्ति 5 हजार खर्च का प्रावधान किया है, लेकिन इसका लाभ आम लोगों को नहीं मिल रहा है। सरकार की सारी व्यवस्था सिर्फ कागजों पर ही चल रही है। गोरखपुर में तीमारदार मरीज को कंधे पर उठाकर अस्पताल ले जाने को मजबूर हैं। प्रदेश में चिकित्सा व्यवस्था पूरी तरह से ठप होने के भी आरोप लग रहे है।

राजनीति में किसी का धर्म ईमान नहीं होता, तभी तो चुनाव से पहले तक गंगा को लेकर अपनी राजनीति चमकाने और गंगा की पवित्रता को लेकर तत्कालीन मनमोहन सरकार को धेरने वाली एनडीए की नरेन्द्र मोदी सरकार ने नमामि गंगे नाम से अभियान चलाने की बात तो कही, परन्तु गंगा न पवित्र हो पाई और न ही निर्मल हो पाई। वह भी तब जब सन्तो को मां गंगा को बचाने के लिए अपने प्राण तक त्यागने पडे है। गंगा की पवित्रता के लिए स्वामी निगमानन्द और स्वामी सानन्द का प्राण त्यागना यह सवाल खड़े जरूर कर रहा है कि, गंगा की स्वच्छता को लेकर सरकार की कथनी और करनी में बड़ा अंतर क्यो है। इसका जवाब स्वंय मोदी सरकार के पास भी नही है। जिससे स्पष्ट है कि, नरेन्द्र मोदी सरकार गंगा को लेकर सिर्फ और सिर्फ राजनीति कर रही है और वह गंगा को पवित्र व निर्मल बनाने के प्रति गम्भीर नही है। तभी तो सरकार की लापरवाही के चलते गंगा में सैकड़ो कोरोना संक्रमितों के शवों ने सरकार की कलई ही खोल दी है। आज गंगा की हालत पहले से भी बद से बदतर होती जा रही है। इस गंगा को प्रदूषित करने में उन गंगा भक्तो भी बडा हाथ है। जो गंगा में साबुन लगाकर स्नान करने से लेकर गंगा में कपडे धोने, हवन की सामग्री, धार्मिक कलेण्डर, पुराने कपडो से लेकर धार्मिक आस्था के नाम पर शव तक को बहा देते है। ऐसे में सवाल उठता है कि, मोक्षदायिनी गंगा कैसे पवित्र रह पाएगी और कैसे उसका जल आचमन लायक रह पाएगा।

त्रेता युग में अवतरित हुई गंगा जनकल्याण करती है और श्रद्धालुओं को पाप मुक्त बनाने के साथ ही उनके मन व शरीर दोनो निर्मल करती है।

जो लोग धर्म और अध्यात्म के नाम पर गंगा को महिमा मंडित करते है। वही लोग गंगा को प्रदुषित करने में भी पीछे नही है। अब तो गंगा के उदगम स्थल गोमुख यानि गंगोत्री में भी श्रद्धालुओं व पर्यटको ने प्रदुषण फैलाना शुरू कर दिया है। गंगा में सीवरेज का गंदा पानी, नालियों के पानी की निकासी, मूर्तियां, धार्मिक कलेण्डर, हवन की राख और जले व अधजले शवों को बहाकर हम गंगा के साथ अन्याय कर रहे है। इन सबके प्रति आवाज उठाने के बजाए गंगा से उर्जा पैदा करने को लेकर राजनीति की जा रही है। जिसे लेकर गंगा भी आहत है। गंगा जल का आचमन हमारी देह को ही नही मन को भी पवित्र बनाता है। यह गंगा जल की विशेषता ही है कि, वर्षो वर्षो तक रखा रहने पर भी यह कभी खराब नही होता। लेकिन हमे विचार करना होगा कि, गंगोत्री से गंगा सागर तक के 2 हजार 5 सौ किमी लम्बे सफर में गंगा की हालत क्या से क्या हो गई। गंगा की इस बदतर हालत पर कोई भी कुछ कर गुजरने के लिए बोलने को तैयार नही है। सिर्फगंगा का राजनीतिक लाभ उठाने के लिए नमामि गंगे नाम से अभियान चलाकर भाजपा झूठी वाहवाही लूटना चाहती रही है। सभी जानते है कि, कलियुग के बीते पांच हजार वर्षो में गंगा सूखने के कगार पर पहुंच गई है। गंगा में व्याप्त प्रदुषण के कारण गंगाजल के आचमन और उससे स्नान पर भी सवाल उठने लगे है। गंगा एक्शन प्लान के नाम पर करोडो रूपये खर्च कर देने पर भी शिव की गंगा मैली होकर रह गई है।

श्रीगोपाल नारसन

गंगा की गोद में उर्जा को जन्म देने के लिए विद्युत परियोजनाओं में 600 मेगावाट की लोहारी नागपाल 850 मेगावाट की कोटली भेल, 120 मेगावाट की टिहरी-2, गरबा तवाघाट की 630 मेगावाट परियोजनाओं के साथ-साथ 500 मेगावाट की तपोवन विश्णु परियोजना, 500 मेगावाट की कोटेष्वर परियोजना, 340 मेगावाट की पीपली कोटी व 310 मेगावाट लता तपोवन तथा 240 मेगावाट की सोबला परियोजना को जोड़ दे तो कुल 5340 मेगावाट उर्जा गंगा की गोद से पैदा करने का एक अच्छा खासा स्रोत है। वैज्ञानिकों का भी मानना है कि, गंगाजल से उर्जा पैदा करने से जल की पवित्रता प्रभावित नहीं होती। ऐसे मे आवश्यकता इस बात की है कि, गंगा की गोद से उर्जा भी मिले और मोक्ष भी मिले लेकिन साथ ही गंगा को स्वयं भी प्रदूषण मुक्त रहने दिया जाए तो गंगा का जल अमृत बनाया जा सकता है। लेकिन ऐसा सिर्फगंगा पर राजनीति करने से नही होगा बल्कि वास्तव में गंगा की भलाई के लिए ठोस प्रयास करने से होगा। जिसके लिए उन सन्तो के बलिदान को कदापि भूलना नही चाहिए जो बिना किसी स्वार्थ के गंगा को बचाने के लिए अपनी जान तक स्वाह कर रहे है। जिनमे स्वामी निगमानन्द व स्वामी सानन्द को देश कभी भूल नही पाएगा और वर्तमान में सरकार की असंवेदनशीलता के चलते गंगा में सैकड़ो कोरोना संक्रमित शवो के मिलने से गंगा एक ओर महामारी का कारण बन जाए इससे इंकार नही किया जा सकता।

# कोरोना के इलाज में गेमचेंजर साबित होगी 2-डीजी

कोरोना के इलाज में गेमचेंजर साबित होगी 2-डीजी

कोरोना मरीजों के लिए संजीवनी बनेगी स्वदेशी दवा

कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ्तार से पूरा देश त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रहा है और ऐसे में किसी ऐसी 'संजीवनी' की दरकार है, जो न केवल इस रफ्तार पर ब्रेक लगाने में सफल हो सके बल्कि ऑक्सीजन की कमी से हो रही मौतों के आंकड़ों पर भी लगाम लगा सके। ऐसे में उम्मीद की बड़ी किरण बनकर सामने आया है रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), जो न सिर्फ देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जी-जान से जुटा है बल्कि कोरोना महामारी के दौर में भी निरन्तर हरसंभव मदद के प्रयासों में जुटा रहा है। विश्वभर में कोरोना से निपटने के लिए कई कम्पनियां अलग-अलग तरह की वैक्सीन बना रही हैं, भारत में भी कोरोना के खिलाफ एंटीबॉडी बनाने के लिए कोवैक्सीन तथा कोविशील्ड के जरिए बड़े स्तर पर वैक्सीनेशन अभियान चल रहा है लेकिन एक तो देश की पूरी आबादी का वैक्सीनेशन इतना आसान नहीं है, दूसरा कोरोना वायरस जिस प्रकार म्यूटेट हो रहा है और इसके नए-नए स्ट्रेन्स सामने आ रहे हैं, ऐसे में वैज्ञानिकों के मुताबिक आने वाले समय में वैक्सीन में बदलाव करने की जरूरत भी पड़ सकती है। ऐसे समय में किसी ऐसी दवा की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है, जो प्रतिदिन कोरोना के बढ़ रहे ग्राफ को तेजी से नीचे ला सके और लाखों देशवासियों की जान बचाई जा सके। नई दवा के परीक्षण में जो नतीजे सामने आए हैं, उन्हें देखते हुए माना जा रहा है कि, डीआरडीओ की प्रतिष्ठित प्रयोगशाला नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (आईएनएमएएस) द्वारा विकसित और डा. रेड्डी लैबोरेट्रीज द्वारा तैयार की गई 2-डीजी नामक दवा कोरोना के इलाज में गेमचेंजर साबित हो सकती है। दरअसल दावा किया गया है कि, इस दवा के इस्तेमाल से मरीज जल्दी ठीक हो रहे हैं।

दवा नियामक 'ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया' (डीजीसीआई) द्वारा डीआरडीओ की बनाई हुई कोरोना की नई दवा 2-डीऑक्सी-डी-ग्लूकोज (2-डीजी) के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दे दी गई है। रक्षा मंत्रालय का इस दवा के संबंध में कहना है कि, 2-डीजी के साथ जिन मरीजों का इलाज हुआ, उनमें से अधिकांश की आरटीपीसीआर रिपोर्ट नेगेटिव आई और उनमें तेजी से रोग के लक्षणों में कमी देखी गई। मुंह के जरिए ली जाने वाली इस दवा का अब कोरोना के मध्यम से गंभीर लक्षण वाले मरीजों के इलाज में इस्तेमाल किया जा सकेगा। यह दवा पाउडर के रूप में एक पैकेट में आती है, जिसे पानी में घोलकर मरीज को दिया जाता है। परीक्षण में डीआरडीओ की इस दवा के काफी अच्छे नतीजे सामने आए हैं और इसके क्लीनिकल ट्रायल सफल साबित हुए हैं। डीआरडीओ का दावा है कि, जिन मरीजों पर इस दवा का ट्रायल किया गया, उनमें तेजी से रिकवरी देखी गई, यही नहीं ऐसे मरीजों की ऑक्सीजन पर निर्भरता भी कम हो गई। डीआरडीओ के वैज्ञानिकों के अनुसार यह दवा अस्पताल में भर्ती मरीजों के तेजी से ठीक होने में मदद करने के साथ-साथ अतिरिक्त ऑक्सीजन की निर्भरता को भी कम करती है। इसकी पुष्टि दवा के तीसरे चरण के ट्रायल में हुई है, जिसके अच्छे नतीजे आए हैं, उसी के बाद इस दवा के इमरजेंसी इस्तेमाल की स्वीकृति दी गई है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, वायरस के विकास के लिए ग्लूकोज का होना जरूरी है और अगर कोरोना वायरस को शरीर में ग्लूकोज नहीं मिलेगा तो उसकी वृद्धि रूक जाएगी। संक्रमित कोशिकाओं में जमा हो जाने के बाद डीआरडीओ द्वारा विकसित नई दवा वायरल संश्लेषण तथा ऊर्जा उत्पादन कर वायरस को और बढ़ने से रोकती है। संक्रमित कोशिका के साथ मिलकर यह एक प्रकार से सुरक्षा दीवार बना देती है, जिससे वायरस उस कोशिका के साथ ही अन्य हिस्सों में भी नहीं फैल सकेगा। डीआरडीओ के वैज्ञानिक डॉ. एके मिश्रा का कहना है कि, किसी भी टिश्यू या वायरस के विकास के लिए ग्लूकोज जरूरी होता है लेकिन अगर उसे ग्लूकोज नहीं मिले तो उसके मरने की उम्मीद बढ़ जाती है, इसी को मिमिक करके ग्लूकोज का एनालॉग बनाया गया। उनके मुताबिक वायरस कोशिका से चिपकी इस दवा को ग्लूकोज समझकर खाने की कोशिश करेगा लेकिन चूंकि यह कोई ग्लूकोज नहीं है, इसलिए इस दवा को खाने से कोरोना वायरस की मौत हो जाएगी और मरीज ठीक होने लगेगा, यही इस दवाई का मूल सिद्धांत है। कोरोना संक्रमित कोशिका पर खास तरीके से कार्य करना ही इस दवा को विशेष बनाता है। डीआरडीओ के वैज्ञानिकों के अनुसार इस दवा से ऑक्सीजन की कमी नहीं होगी और जिन मरीजों को ऑक्सीजन की जरूरत है, उन्हें भी इस दवा को देने के बाद संक्रमण की संभावना कम होगी और वायरस की मौत हो जाने से ऐसा मरीज भी शीघ्र रिकवर हो सकेगा। इस प्रकार डीआरडीओ द्वारा विकसित यह स्वदेशी दवा कोरोना के इलाज में गेमचेंजर साबित हो सकती है।

डीआरडीओ ने इस दवा को एक सामान्य अणु और ग्लूकोज के एनालॉग से तैयार किया है, जिस कारण आसानी से इसका उत्पादन किया जा सकता है। डीआरडीओ द्वारा पिछले साल कोरोना के प्रकोप के दौरान कोरोना की इस दवा को बनाने का काम शुरू किया गया था और वैज्ञानिकों द्वारा हैदराबाद की सेल्युलर एंड मॉलीक्यूलर बायोलॉजी की मदद से इसका परीक्षण किया गया था। अप्रैल 2020 से मार्च 2021 के बीच इस दवा के तीन चरण के क्लीनिकल ट्रायल हो चुके हैं और इनके काफी सुखद परिणाम सामने आए हैं। दवा के पहले चरण का ट्रायल अप्रैल-मई 2020 में पूरा हुआ था, जिसमें लैब में ही दवा पर परीक्षण किए गए थे। केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) को डीसीजीआई की मंजूरी के बाद दूसरे चरण के क्लीनिकल ट्रायल मई 2020 से अक्टूबर 2020 के बीच हुए और क्लीनिकल ट्रायल में देशभर के 11 विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कुल 110 मरीजों को शामिल किया गया। इस क्लीनिकल ट्रायल के दौरान देखा गया कि, इसमें सभी मरीज अन्य मरीजों की तुलना में ढ़ाई दिन पहले ही ठीक हो गए। दवा के तीसरे चरण के क्लीनिकल ट्रायल के लिए डीआरडीओ द्वारा नवम्बर 2020 में आवेदन किया गया, जिसके बाद दिसम्बर 2020 से मार्च 2021 के बीच ट्रायल को डीसीजीआई की मंजूरी मिली। तीसरे चरण में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक तथा तमिलनाडु के 27 अस्पतालों में 220 मरीजों पर दवा का परीक्षण करने पर पाया गया कि, इसके इस्तेमाल से 42 फीसदी मरीजों को तीसरे दिन से मेडिकल ऑक्सीजन की कोई जरूरत नहीं रही।

योगेश कुमार गोयल

बहरहाल, डीजीसीआई के मुताबिक 2-डीजी दवा के प्रयोग से कोरोना वायरस के ग्रोथ पर प्रभावी नियंत्रण से अस्पताल में भर्ती कोरोना मरीजों के स्वास्थ्य में तेजी से रिकवरी हुई और इसके अलावा यह मेडिकल ऑक्सीजन की जरूरत को भी कम करती है। चूंकि रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस दवा का उत्पादन बहुत जल्द और भारी मात्रा में देश में ही किया जाना संभव है, इसलिए कोरोना संक्रमितों के इलाज में दवा की कमी की कोई समस्या आने की संभावना नहीं रहेगी, इससे कोरोना के मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। डीआरडीओ ने यह कहा भी है कि, डॉ. रेड्डीज के साथ मिलकर उनकी कोशिश यही रहेगी कि उनकी यह दवा देश के प्रत्येक नागरिक को और हर स्थान पर आसानी से उपलब्ध हो सके। डीआरडीओ के वैज्ञानिकों के अनुसार कोरोना के हल्के लक्षण वाले मरीज हों या गंभीर मरीज, इस दवा को हर तरह के मरीज को दिया जा सकता है और यह बच्चों के इलाज में भी कारगर साबित होगी, हालांकि बच्चों के लिए इस दवा की डोज अलग होगी। फिलहाल डॉ. रेड्डी लैबोरेट्रीज इस दवा के उत्पादन के जुटी है और उम्मीद है कि 8-10 दिन के भीतर यह गेमचेंजर दवा लागत मूल्य पर ही कोविड संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए बाजार में उपलब्ध हो जाएगी।

## विचार मंथन: ममता की जिद

सिद्धार्थ शंकर

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सरकार का तीसरी बार प्रचंड बहुमत से सत्ता में वापसी होने के बाद नारदा घोटाले की जांच एक बार फिर शुरू हो गई है। सीबीआई ने नारदा मामले में आरोपी कैबिनेट मंत्री फिरहाद हकीम, कैबिनेट मंत्री सुब्रत मुखर्जी, टीएमसी विधायक मदन मित्रा और पूर्व भाजपा नेता सोवन चटर्जी पर शिकंजा कसा है। जिससे ममता सरकार की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। पश्चिम बंगाल में 2016 के विधानसभा चुनाव से 15 दिन पहले सामने आया नारदा न्यूज स्टिंग वीडियो अब एक बार फिर ममता बेनर्जी सरकार और तृणमूल कांग्रेस के लिए गले की फांस बन सकता है। नारदा घोटाले में आरोपी बंगाल के कैबिनेट मंत्री फिरहाद हकीम, कैबिनेट मंत्री सुब्रत मुखर्जी, टीएमसी विधायक मदन मित्रा और पूर्व भाजपा नेता सोवन चटर्जी के घर पर सीबीआई ने छापेमारी की। इसके बाद एजेंसी इन चारों नेताओं को पूछताछ के लिए सीबीआई दफ्तार ले गई। टीएमसी नेताओं को सीबीआई दफ्तर लाने के बाद बंगाल की सियासत में भूचाल आ गया। जहां एक ओर लोग नेताओं के समर्थन में प्रदर्शन करने लगे। वहीं सीबीआई की कार्रवाई से भड़कीं मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी भी एजेंसी के दफ्तर पहुंच गईं। टीएमसी नेताओं की गिरफ्तारी से नाराज ममता बेनर्जी ने कहा कि, उन्हें भी गिरफ्तार किया जाए। मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने सीबीआई के अधिकारियों से कहा कि, अगर आप इन चार नेताओं को गिरफ्तार कर रहे हैं तो मुझे भी गिरफ्तार करना पड़ेगा। आप राज्य सरकार या कोर्ट के नोटिस के बिना इन चारों नेताओं को गिरफ्तार नहीं कर सकते हैं। काफी देर तक हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। ममता की जिद को देखते हुए राज्यपाल जगदीश धनखड़ को एक बार फिर संविधान के पालन की सीख देनी पड़ी। मगर ममता पर कोई असर नहीं पड़ा।

सीबीआई के काम में दखल का ममता का यह पहला मामला नहीं है। चुनाव से पहले जब सीबीआई ममता के भाई से पूछताछ करने घर गई थी, तब भी वे अचानक वहां पहुंच गई थीं। जाहिर है इस तरह जांच एजेंसी के काम में दखल देकर वे विश्वसनीयता कम करने का काम कर रही हैं। चूंकि सीबीआई को जांच का काम सुप्रीम कोर्ट ने सौंपा है, लिहाजा केंद्र पर सवाल उठाना भी नहीं बनता। मगर ममता सब जानते हुए भी जिद पर अड़ी हैं। अगर ममता की पार्टी के नेताओं पर सवाल उठे हैं, तो उन्हें जांच हो जानी देनी चाहिए। अगर नेताओं ने कुछ गलत नहीं किया है, तो वे बरी हो जाएंगे, इससे ममता की ही साख बढ़ेगी। मगर अब वे जिस तरह से सीबीआई के काम में दखल दे रही हैं, उससे संदेश गलत जा रहा है। ममता अपने नेताओं को सिर्फयह कहकर नहीं बचा सकतीं कि, शुभेंदु अधिकारी पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही, तो यह गलत है। अगर उनके खिलाफ भी जांच एजेंसी को साक्ष्य मिलेगा, तो वे भी लपेटे में आएंगे। मगर अभी तो ममता खुद पर ही सवाल खड़ा कर रही हैं और विपक्ष को मुद्दा दे रही हैं। उनका यह कृत्य बंगाल में शानदार जीत पर पानी फेर सकता है।

बता दें कि, पश्चिम बंगाल में वर्ष 2016 के विधानसभा चुनाव से पहले नारदा न्यूज के सीईओ मैथ्यू सैमुएल ने एक स्टिंग वीडियो जारी कर बंगाल की राजनीति में हलचल मचा दी थी। इस वीडियो में तृणमूल कांग्रेस के सात सांसदों, तीन मंत्रियों और कोलकाता नगर निगम के मेयर शोभन चटर्जी कैमरे के सामने रिश्वत लेकर एक फर्जी कंपनी को कारोबार में मदद करने का आश्वासन देते नजर आ रहे थे। फर्जी कंपनी के प्रतिनिधि के तौर रिश्वत देने वाला व्यक्ति कोई और नहीं मैथ्यू सैमुएल ही थे। इस स्टिंग वीडियो ने जहां एक ओर विपक्ष को ममता बेनर्जी और उनकी सरकार के खिलाफ बारूद सौंप दिया था। वहीं ममता बेनर्जी और उनकी पार्टी ने अपनी छवि बचाने के लिए इस राजनीतिक साजिश करार दिया। कोलकाता हाईकोर्ट ने बीते शुक्रवार को इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था। तब अदालत ने उसे 72 घंटे की भीतर प्राथमिक जांच रिपोर्ट जमा करने और जरूरी होने पर प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश भी दिया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने यह समय सीमा बढ़ाकर 30 दिन कर दी है।

**रिश्तों को किया तार-तार**

# चौकीदार की हत्या का खुलासा, पुत्र ने पिता की हत्या करवाने के लिए दी थी सुपारी

**माही की गूंज रतलाम, राघवेंद्र सिंह डोडिया**

जावरा-रतलाम-मंदसौर मार्ग स्थित निर्माणाधीन हीरो शोरूम में चौकीदार शंभुसिंह पिता शिवसिंह राठौर निवासी विवेकानंद कॉलोनी की हत्या व मोटरसाइकिल चोरी करने के मामले में पुलिस को दो आरोपितों से पूछताछ दौरान बड़ी घटना को अंजाम देने की जानकारी मिली। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपित युनुस उर्फ सरफराज व अशफाक खां मेवाती से पूछताछ करने पर यह बात सामने आई कि, दोनों आरोपितों द्वारा ग्राम जड़वासा के महेंद्रसिंह के पिता नाथूसिंह की हत्या की घटना को अंजाम देने के लिए बिना नंबर की मोटरसाइकिल की आवश्यकता थी। घटना को अंजाम देने के लिए आरोपितों ने शोरूम से बिना नंबर की मोटरसाइकिल चोरी की और चौकीदार द्वारा रोकने पर उसकी हत्या कर दी। मामले का खुलासा शहर थाना टीआई वीडी जोशी ने मंगलवार को किया। उन्होंने बताया कि, मंदसौर मार्ग स्थित निर्माणाधीन शोरूम में मोटरसाइकिल चोरी करने व चोरी के दौरान चौकीदार शंभुसिंह की हत्या करने के मामले में पुलिस ने सोमवार को दो आरोपितों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपित आरोपितयुनुस उर्फसरफराज पुत्र निसार खां मेवाती (19) एवं अशफाक पुत्र नसीब खां मेवाती (20) निवासी ग्राम कुशलगढ़ थाना पिपलौदा को गिरफ्तार किया था।

दोनों आरोपितों से पूछताछ की तो यह बात सामने आई कि, ग्राम जड़वासा के महेंद्रसिंह पिता नाथूसिंह का उसके पिता नाथूसिंह से संपत्ति एवं रुपयों-पैसों की बात को लेकर विवाद होने गया था। इस पर महेंद्रसिंह द्वारा अपने पिता की हत्या करने के लिए उसी के गांव जड़वासा के घनश्याम कुमावत को 5 लाख रूपए की सुपारी दी थी। महेंद्रसिंह व घनश्याम ने इस संबंध में चौपाटी पर प्लान तैयार किया था तथा उक्त प्लान को अंजाम देने के लिए युनुस को तैयार किया था। युनुस अपने साथ काम करने वाले ग्राम हिम्मतखेड़ी के विजय मालवीय को लेकर ग्राम जड़वासा महेंद्रसिंह के पिता के घर व उनकी रेकी करने गए थे। विजय मालवीय ने उक्त प्लान में साथ देने से इंकार कर दिया। जिस पर युनुस ने अपने भतीजे अशफाक को इसके लिए तैयार किया।

महेंद्रसिंह के पिता नाथूसिंह की हत्या की घटना को अंजाम देने के लिए दोनों आरोपितों को बिना नंबर की मोटरसाइकिल की आवश्यकता थी। इस कारण शोरूम से मोटरसाइकिल चुराई और इस दौरान चौकीदार की हत्या कर दी। पुलिस ने उक्त मामले में घनश्याम पिता गिरधारीलाल कुमावत (19) व महेंद्रसिंह पुत्र नाथूसिंह चंद्रावत (20) निवासी ग्राम जड़वासा थाना कालूखेड़ा को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने इस मामले में युनुस, अशफाक, घनश्याम व महेंद्रसिंह चारों को आरोपित बनाया है।

शहर थाना टीआई जोशी ने बताया कि, गिरफ्तार आरोपित युनुस व अशफाक खां निवासी ग्राम कुशलगढ़ को मंगलवार को न्यायालय में पेश किया। जहां से न्यायालय ने दोनों आरोपितों को एक दिन के पीआर पर भेजा।

# दवा के साथ दुआ से भी हारेगा कोरोना, कोरोना से मुक्ति के लिए प्रार्थनाओं का दौर जारी

**माही की गूंज, मंदसौर। साहिल आगवान**

कोरोना महामारी से लड़ने के लिए अस्पताल में दवाइयों के साथ वैक्सीन का इस्तेमाल तो हो ही रहा है। साथ ही शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी भगवान से प्रार्थनाओं का भी दौर जारी है। जगह-जगह हवन कर उससे निकलने वाले धुएं से भी वायरस का असर कम करने की कवायद की जा रही है। मंदिर परिसरों में हवन करने के बाद हवन कुंड में आहुति डालते हुए उसे गलियों में घुमाया जा रहा है। गाय के गोबर के कंडों, कपूर व हवन सामग्री के उपयोग से निकल रहे धुएं से कोरोना महामारी से जीतने का जतन भी लोग कर रहे हैं।

कोरोना वायरस के कहर ने लोगों का जीवन ही संकट में डाल दिया है। इससे निपटने के लिए अस्पतालों में हर संभव उपाय किए जा रहे हैं। लोग घरों में भी अपने स्तर पर सभी बचाव के तरीके अपना रहे हैं। लेकिन दवा के साथ ही दुआओं का भी सहारा लिया जा रहा है। भारत की वैदिक पद्धति में हवन के दौरान यज्ञ कुंड से निकले पवित्र धुएं से भी कई तरह के हानिकारक वायरस व बैक्टीरिया का नाश होता है, इसी आशा के साथ ही जिले के गांव-गांव में मंदिरों में हवन किए जा रहे हैं। मंदसौर के रामटेकरी क्षेत्र में भी युवाओं ने हवन किया और हवन कुंड लेकर गलियों में घूमे। इसके अलावा बंडीजी के बाग क्षेत्र में स्थित श्री देवनारायण मंदिर में भी हवन किया गया। जिले में अभी तक लगभग 700 गांवों में हवन किए जा चुके हैं। कुछ जगह प्रतिदिन हवनकुंड में आहुतियां दी जा रही है।

**भाजपा नेता ने अपनी ही पार्टी के विधायक की जागरूकता पर उठाए सवाल**

# आखिर क्यो 7 माह पहले स्वीकृत सरकारी ऑक्सीजन प्लांट लगने में हो रही देरी?

**विधायक ने अपने फाउंडेशन से मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन प्लांट लगाने की भी घोषण की थी**

**माही की गूंज, रतलाम।**

जिले में कोविड-19 महामारी में सबसे आवश्यक ऑक्सीजन की सुचारू व्यवस्था को लेकर अब तक ऑक्सीजन प्लांट नही लगने को लेकर भाजपा में राजनीत शुरू हो गई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सहकारीता बैंक अध्यक्ष अशोक जैन ने सात माह पहले केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत ऑक्सीजन प्लांट अभी तक रतलाम में नही लगाने के लिए रतलाम विधायक चैतन्य कश्यप को जिम्मेदार ठहराते हुए उनमें संघर्षशीलता का अभाव बताया है। श्री जैन का कहना है कि, जब केंद्र सरकार ने 7 माह पहले प्रदेश के 8 जिलों में ऑक्सीजन प्लांट लगाए जाने की स्वीकृति दी थी, उसमे से 7 जिलो में प्लांट कब से लग गए जिस कारण उन जिलो में कोरोना महामारी के दौरान ऑक्सीजन की कमी का सामना मरीजो को नही करना पड़ा, तो वहीं रतलाम में अभी तक उक्त ऑक्सीजन प्लांट क्यों नही लगा जबकि ऑक्सीजन प्लांट लगाने के आदेश 2 नवम्बर को ही जारी हो गए थे। अब केवल एक मात्र रतलाम जिला ही बाकी रह गया है जहां ऑक्सीजन प्लांट नही लगा है। श्री जैन ने इसके लिए सीधे-सीधे रतलाम शहर विधायक पर निशाना साधते हुए कहा कि, शहर के जनप्रतिनिधि में जागरूकता का अभाव है।

- भाजपा नेता एवं पूर्व सहकरीता बैंक अध्यक्ष अशोक जैन।

रतलाम शहर विधायक चैतन्य कश्यप।

भाजपा नेता द्वारा इस तरह से अपनी ही पार्टी के विधायक पर निशाना साधने से भाजपा की राजनीती गर्म हो गई है। वैसे रतलाम विधायक चैतन्य कश्यप ने अपने चेतन्य काश्यप फाउंडेशन से 1 करोड़ से अधिक की लागत से मेडिकल कालेज में ऑक्सीजन प्लांट लगाने की घोषणा की थी जिस पर काम भी चालू हो गया है। वही केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत ऑक्सीजन प्लांट को लगाने में हो रही देरी पर जिला कोविड प्रभारी मंत्री मोहन यादव का रवैया भी ढुल-मूल नजर आया। प्रभारी मंत्री से इस बारे में पूछने पर उनका कहना था कि, ऑक्सीजन प्लांट की नही बेड की ज्यादा जरूरत है क्योकि अब ऑक्सीजन भरपूर उपलब्ध है। केंद्र सरकार की योजना के क्रियान्वयन में लेट लतीफी पर विधायक और मंत्री का इस तरह का रवैया यह साबित करता है कि, सरकार तो कोरोना से बचाव के लिए प्रयत्नशील है लेकिन उनकी ही पार्टी के निर्वाचित जनप्रतिनिधि ही योजना के क्रियान्वयन के प्रति जागरूक नही है। जिससे की सरकार की छवि पर आंच आना स्वाभाविक है।

# कोरोना मुक्त अभियान के तहत गांव-गांव पहुंच रहे एबीवीपी कार्यकर्ता

**माही की गूंज, शुजालपुर।**

शुजालपुर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शुजालपुर ईकाई द्वारा कोरोना से गांवो को बचाने के लिए मालवा प्रांत में कोरोना मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत विधार्थी परिषद शुजालपुर ईकाई के कार्यकर्ता भी गांवो में पहुंच कर घर-घर जाकर ग्रामीणों की स्क्रीनिंग कर उनसे स्वस्थ संबंधित चर्चा कर रहे हैं। अस्वस्थ पाए जाने पर पंचायत के माध्यम से उनकी दवाई की व्यवस्था भी करवाई जा रही है। साथ ही होम आइसोलेशन में रहने का आग्रह किया जा रहा है। वहीं हर गांव में वैक्सिनेशन के लिए भी लोगो को प्रेरित कर रहे है नगर मन्त्री राजपाल सिंह राजपूत ने बताया कि कोरोना में पहुंच कर लोगो की स्क्रीनिंग कर रहे हैं। संक्रमण कुछ दिनों से गांवो में ज्यादा बड रहा है ओर इसे रोकने के लिए हमारी ओर से एक छोटा सा प्रयास किया जा रहे हैं पूरे मालवा प्रान्त में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता गांव-गांव पहुंच रहे है ग्रामीणों की स्क्रिनिग कर रहे हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मालवा के प्रान्त व्यापी 'कोरोना मुक्ति अभियान' में शुजालपुर इकाई के कार्यकर्ताओं 8 गांवों में लगभग 12 सौ से 13 सौ ग्रामीणों के बीच पहके ओर उनके द्वारा ग्राम मगरोला, चितोडा, अमलाय (पत्थर की), जेठड़ा में जाकर ग्रामीणजनों के स्वास्थ्य सर्वेक्षण ओर थर्मल स्क्रीनिंग कि गई। ओर उनको वेक्सिनेशन के लिए प्रेरती कर रहे और उनसे निवेदन करते हुए कह रहे हैं अफ्वाओं पर ध्यान ना दे, ओर वेक्सिनेशन अवश्य करवाए आवश्यकता पड़ने पर मुख्य चिकित्सक चिकित्सीय सलाह ले, लापरवाही ना बरते, मास्क उपयोग जरूर करे, स्वयं भी सावधानी रखें और अपने परिवार की भी रखे तभी जाकर हम गाँव को कोरना मुक्त बना सकते हैं। हम कोरोना से जरूर जीतेंगे इसी संकल्प को लेकर विद्यार्थी परिषद व्यापक रूप में कोरोना मुक्त अभियान चला रही है।

### ग्राम पंचायत मेहर खेड़ी भी कर रही ग्रामीणों को जागरूक

शुजालपुर ग्राम पंचायत मेहरखेडी मे स्वयं सेवक संघ के सदस्यो एवं पंचायत सचिव व साहयक सचिव के द्वारा घर-घर जाकर स्वास्थ्य की जानकरी ली गई एव वेक्सिन का टीकाकरण हेतू प्रेरित किया गया। 165 परिवार का सर्वे किया गया कोई भी अस्वस्थ नही पाया गया।

## पंचायत स्तर पर समितियां बनाने का निर्णय

**माही की गूंज, झाबुआ।** जिला भाजपा द्वारा कोविड 19 कार्यक्रम को लेकर केंद्र तथा प्रदेश सरकार की योजनाओं की मॉनिटरिंग व वैक्सीन को लेकर जनजागरण चलाने हेतु संगठन स्तर पर तहसील, ब्लॉक, ग्राम पंचायत सेक्टर और गाांव स्तर पर रानापुर बैठक के दौरान समितियों का बनाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा राशन की दुकानों पर भाजपा की निगरानी समिति के सदस्य हितग्राहियों को 5 महीने का राशन विधिवत मिल रहा है या नहीं, इसका निरिक्षण करेंगें व हितग्राहियों का सहयोग करेंगे। बैठक का आयोजन तहसील प्रभारी दौलत भावसार तथा ब्लॉक प्रभारी मनोहर सेठिया की उपस्थिती में हुई। इस अवसर पर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले तीनों मंडल अध्यक्ष किर्तीया राठौर, ज्ञानसिंग मोर्य और भारतसिंग मेड़ा तथा सुनिता अजनार, गोंविद अजनार उपस्थित थे।

# ठेकेदार की लापरवही से बाइक सवार हुआ घायल

**माही की गूंज, मंदसौर।**

नगर में रेल्वे फाटक समपार 141 पर चल रहे ओवरब्रिज निर्माण कार्य में ठेकेदार की अनदेखी के कारण मंगलवार को एक हादसा हो गया। निर्माणाधीन ओवरब्रिज की दीवार से निकल रहे सरिए से मंगलवार को बाइक सवार युवक घायल हो गया, सरिए से चोट लगने से युवक का पैर जख्मी हो गया। घायल युवक को बाइक से अन्य युवक ने चिकित्सालय पहुंचाया। युवक के साथ उसकी मां भी थी, उन्होंने ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाया।

मिली जानकारी अनुसार अजय टाकीज मार्ग पर चौपाटी की ओर से आ रहे बाइक सवार 25 वर्षीय संदीप पिता कारूलाल डाबी निवासी पिपलियामंडी के पैर में ओवरब्रिज की दीवार का सरिया धंस गया और युवक का पैर लहूलुहान हो गया। युवक की माँ गुलाबबाई डाबी ने बताया कि, ठेकेदार द्वारा बनाए एकांगी मार्ग पर ही दोनों ओर के वाहन निकाल रहा है, बारिश के कारण कीचड़ ही कीचड़ हो रहा है। सामने की ओर से आने वाले वाहन को साइड देते समय दीवार का सरिया मेरे बेटे के पैर में धंस गया। ठेकेदार की लापरवाही है, बेवजह सरिए दीवार के बाहर निकाल रखे हैं। बाइक से युवक गिर जाता तो गंभीर हादसा हो सकता था।

**माही की गूंज, बड़नगर।** सारथी सेवा प्रकल्प द्वारा निःशुल्क एम्बुलेंस बड़नगर सरकारी अस्पताल को प्रदान की गई। सांसद अनिल फिरोजिया, भाजपा जिलाध्यक्ष बहादुर सिंह बोरमुंडला एवं बड़नगर भाजपा के सभी नेता व कार्यकर्ताओं के द्वारा हरि झंडी दिखाकर एम्बुलेंस को रवाना किया।

**गूंज असर**

# सचिव व सेल्समैन पति उर्फ फर्जी सेल्समैन बाबूलाल द्वारा संचालित सहकारीता दुकान को किया निलंबित

भ्रष्ट सेल्समैन पति सांठ-गांठ के साथ मुफ्त में गरियों को दिए जाने वाले खाद्यान्न की कर रहा वसुली

**माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट**

समीपस्थ ग्राम पंचायत खेड़ीनगर में उत्थान स्व-सहायता समूह की उचित मूल्य की दुकान खेडीनगर (1903069) पर शासन द्वारा दिया गया 3 माह का मुफ्त में देने वाला राशन, फर्जी रूप से समूह की सचिव जो अवेधानिक रूप से समूह का पुरा संचालन कर रहा है अपीतू सहकारीता में सांठ-गांठ कर समूह द्वारा अपनी पत्नि को ठहराव-प्रस्ताव के साथ सेल्समैन नियुक्त कर स्वयं फर्जी रूप से सांठ-गांठ के साथ समूह संस्था की सहकारीता की दुकान पर सेल्समेन बन फर्जीवाडे को अंजाम देने वाला भ्रष्ट बाबूलाल मालवीय द्वारा पैसे लेकर खाद्यान्न दिया जा रहा था। जिसकी जानकारी माही की गूंज प्रतिनिधि द्वारा वरिष्ठ अधिकरियों तक दी गई एवं मामले का माही की गूंज में प्रमुखता से समाचार प्राकशित किए गए थे। गूंज खबर पर मोहर लगाकर उच्च अधिकारियों द्वारा मामले को संज्ञान में लेकर भ्रष्ट व फर्जी सेल्समैन बाबूलाल उर्फ सचिव व सेल्समैन सुशीला पति बाबूलाल मालवीय के यहां से हटाकर 13 मई को एसडीएम ने नोटिस देकर तत्काल प्रभाव दुकान को निलंबित कर हितग्राहीयों को उचित मूल्य की दुकान (1903016) मोहम्मद खेड़ा में शिफ्ट करने के आदेश जारी किए। मगर आदेश में दिनांक व पत्र क्र. अंकित नही होने से अनुमान लगाया जा रहा है कि, अधिकारी मामला उजागर होने पर उक्त कार्यवाही को अंजाम देने का कार्य किया परंतु कहीं न कहीं लचिले आदेष के साथ ही आगे भ्रष्टो के खिलाफ एफआईआर से बचाने का प्रयास किया जा रही है की चर्चा जमकर हो रही है।

- सचिव का फर्जी सेल्समैन पति बाबूलाल मालवीय खाद्यान्न की कालाबाजारी करते हुए।

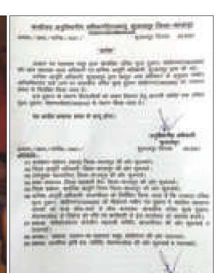

- एसडीएम द्वारा जारी दुकान निलंबन का आदेश

जब गूंज प्रतिनिधि की बात फूड स्पेक्टर मनोज शर्मा से हुई तो, सेल्समैन व सचिव सुशीला पति बाबूलाल मालवीय को कितनी तारीख को नोटिस दिया गया? जिसमें गुमराह करते हुए साहब ने पहले तो 10 तारीख का बताया और बाद में 13 तारिख का आदेश जारी होना बताया।

# नगर में हर क्षेत्र में सेवा कार्य जारी

**माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)।**

कोरोना महामारी के कारण कोरोना कर्फ्यू के चलते इस दौर में भानपुरा नगर में समाज सेवा कार्यों के साथ ही अन्य सेवा कार्य में भी नगर के युवा लगे हुए हैं। भानपुरा नगर के वार्ड नंबर 2 पंजाबी कॉलोनी में शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय परिसर के पीछे बाउंड्री वाल के समीप बनी पानी की खेर कई वर्षों से बंद पड़ी थी। खेर में कचरा आदी भरा पड़ा था। वर्तमान दौर में पशु भी पानी पीने के लिए इधर-उधर न भटके इसी समस्या को दूर करने के लिए सामाजिक एवं राजनीति रूप से सक्रिय शीतल भूटानी जो लगातार कोरोना महामारी में भी निरंतर जनसेवा में लगे हैं। उन्होंने अपने साथी अंतिम तिवारी, राजेश वधवा, रानू ठाई, मनोज भूटानी, भीमसेन काबर आदि के साथ मिलकर वर्षों से बंद पड़ी इस खेर को पूरी तरह से साफ-सफाई कर नगर परिषद के फायर फाइटर से इसमें पशुओं के लिए पीने का पानी भरा गया। खेर के आस-पास श्रमदान कर मिट्टी डालकर समतल किया जाकर पशुओं के लिए यहां चारा डालने का स्थान भी निर्मित किया गया है। पंजाबी कॉलोनी के युवाओं द्वारा किए जा रहे इस कार्य के लिए पंजाबी कॉलोनी वासियों ने सरहाना की है।

## न्यूज ब्रीफ

### जो किसान छूट गए है, उनको एसएमएस जारी करें- खाद्य प्रमुख सचिव

**माही की गूंज, खरगोन।** खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण प्रमुख सचिव फैज अहमद किदवई ने सभी जिला कलेक्टर्स, जिला आपूर्ति अधिकारी, जिला पंजीयक और जिला प्रबंधक केंद्रीय सहकारी बैंक को निर्देश दिए कि, किसानों से खरीदी किसी भी स्थिति में बंद न की जाए। केवल वर्षा के कारण खरीदी अस्थाई रूप से स्थगित की गई है। उन्होंने बताया कि, जो किसान छूट गए है या फिर 17 से 19 मई में उनको एसएमएस जारी करे गए थे, उन्हें पुनः खरीदी के एसएमएस जारी कर उपार्जन की कार्रवाई की जाएं। इस जानकारी को प्रचारित-प्रसारित भी किया जाए, जिससे शेष रहे किसानों में कोई संशय की स्थिति न रहे। इंदौर व उज्जैन संभाग में उपार्जन समाप्त हो चुका है। शेष संभागों में उपार्जन के संबंध में खरीदी के निर्देश दिए गए है। उन्होंने सभी कलेक्टर्स को असामयिक वर्षा से समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूं के बचाव की कार्रवाई भी करने को कहा है।

### कोरोना प्रभारी मंत्री ने 30 भाप मशीने अस्पताल प्रबंधक को सौंपी

**माही की गूंज, बड़वानी।** प्रदेश के कैबिनेट एवं जिले के कोरोना प्रभारी मंत्री प्रेमसिंह पटेल ने बुधवार को ट्रामा सेंटर पहुंचकर उनके सुरत के दोस्त रमेश लखानी द्वारा प्रदत् 30 भाप मशीनों को जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. अरविन्द सत्य को सौंपा है। जिससे इसका उपयोग ट्रामा सेंटर एवं कोविड आईसीयू में भर्ती रोगियों को और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु किया जा सके। इस अवसर पर भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष कृष्णा गोले, युवा नेता विकास यादव, रोहित पटेल सहित चिकित्सालय का स्टॉप उपस्थित था।

### हारेगा कोरोना जितेंगे हम का संदेश लेकर कैबिनेट मंत्री पहुंच रहे है ग्राम-ग्राम

माही की गूंज, बड़वानी।

प्रदेश के कैबिनेट एवं बड़वानी के कोरोना प्रभारी मंत्री प्रेमसिंह पटेल ''हारेगा कोरोना, जितेंगे हम'' का संदेश लेकर प्रतिदिन ग्रामीण अंचलो का दौरा कर रहे है। इसके तहत जहॉ वे ग्रामीणों को अपना टीकाकरण करवाने हेतु जागरूक कर रहे है, वहीं सोशल डिस्टेंस एवं मास्क लगाने से होने वाले लाभ बताकर ग्रामीणों को निःशुल्क सैनेटाईजर की बॉटल एवं मास्क वितरित कर रहे है। जिससे ग्रामीण इनका उपयोग कर अपने आप को कोरोना मुक्त बनाए रखे।

बुधवार को भी कैबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल कुल, बोरखेड़ी, नलती, बिजासन, घुघसी, चिपाखेड़ी, सौन्दूल, कठौरा, नंदगॉव, बोम्या, बड़वानीखुर्द, आमलियापानी, बड़गॉव पहुंचकर जनजाग्रति का कार्य किया। इस दौरान उन्होने जहॉ ग्रामीणों की चौपाल लगाकर उन्हें सोसल डिस्टेंस का महत्व बताया, वहीं मास्क एवं सैनेटाइजर का भी वितरण किया। इस दौरान उन्होने ग्रामीणो को बताया कि, कोरोना वैक्सीनेशन को लेकर जो भ्रांतिया फैलाई गई है, वह पूरी तरह से झूठ है। क्योंकि उन्होने स्वयं कोरोना का दोनो वैक्सीनेशन करवाया है और उन्हें कोई भी परेशानी नही हुई है।

# 18 प्लस के टीकाकरण में ऑनलाईन मारामारी, साईट खुलते ही बुक हो जाते हैं स्लॉट

## बाहरी जिलों के लोग आकर करवा रहे टीकाकरण

**माही की गूंज, पेटलावद, राकेश गेहलोत**

18 प्लस का होने वाला टिकाकरण को लेकर सरकार का गणित फेल होते दिख रहा है। ऑनलाईन लाखो लोगो के रजिस्ट्रेशन के बाद पर्याप्त वेक्सीन नही होने के कारण वेक्सीनेशन के लिए स्लॉट बुक करना शुरू कर दिया, लेकिन यहां भी धांधली शुरु हो गई, कोरोना संक्रमण फैलने के बाद अब युवाओं में भी वैक्सीन के लिए मारामारी है। इसका प्रमाण रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में देखा जा सकता है। हालत यह है कि, जब भी विभाग की ओर से वैक्सीनेशन के लिए अगले दिन या सप्ताह का सत्र तय किया जाता है तो महज 10 मिनट के अंदर ही सारे स्लॉट बुक हो जाते हैं। यानी के लोग हर वक्त टीकाकरण की जद्दोजहद में जुटे हैं। कोविड वैक्सीनेशन के लिए युवाओं में खासा उत्साह है, लेकिन पंजीयन नहीं हो पा रहा। क्योंकि पंजीयन के स्लॉट कम होने की वजह से पोर्टल खुलते ही यह महज कुछ मिनट में ही फुल हो जाते हैं। युवाओं को करीब एक सप्ताह से इंतजार करना पड़ रहा है। इधर, मगलवार को पंजीयन का पोर्टल करीब आधे घंटे देरी से खुला। ऐसे में सुबह नौ बजे से इंतजार कर रहे युवाओं को परेशानी का सामना करना पड़ा।

गौरतलब है कि, 18 वर्ष व इससे अधिक उम्र वाले युवाओं को कोविड का टीकाकरण किया जा रहा है। इसके लिए इनको स्वास्थ्य विभाग के पोर्टल पर जाकर पहले पंजीयन करना होता है, तब अगले दिन टीका लगाया जाता है। शहर में टीकाकरण के पूरे ब्लाक में मात्र एक ही केंद्र हैं, जो कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में है, जहां युवाओं को पहला डोज, तो 45 साल व इससे अधिक उम्र वालों को दूसरा डोज लगाया जा रहा है। 18 वर्ष व इससे अधिक उम्र वालों को केंद्र पर एक दिन में सिर्फ100 लोगों को ही डोज लगाया जाता है। ऐसे में युवाओं को वैक्सीनेशन के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं टीकाकरण मुहिम को व्यवस्थित बनाए रखने को वैक्सीनेशन का सत्र बनाया जा रहा है। इसमें जिनको तारीख मिल रही है उन्हें ही टीका लगवाने के लिए पहुंचने को कहा गया है। मगर वैक्सीनेशन के लिए अगले दिन या सप्ताह का सत्र तय किया जाता है। इसमें भी यही हो रहा है कि, दिन भर जिस व्यक्ति की नजर मोबाइल पर खुलते कोविन पोर्टल पर होती है, वह आधे मिनट से कम समय के लिए जो अप्वाइमेंट लेने के लिए तैयार था, वह बाजी मार गया। लोगों का कहना है कि प्रशासन व चिकित्सा विभाग की तरफसे वैक्सीनेशन के लिए स्लॉट बुकिंग का समय निर्धारित करने के साथ इसे सांझा करना चाहिए ताकि अप्वाइंटमेंट पाने के लिए समान प्रति स्पर्धा हो सकें।

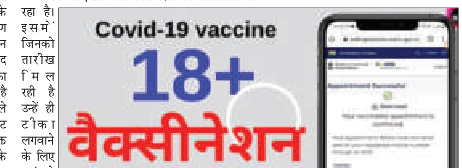


युवाओं का कहना है कि, स्लॉट की संख्या बढ़ाई जाना आवश्यक है, ताकि ज्यादा लोगों का टीकाकरण एक दिन में हो सके। हालांकि स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि अभी वैक्सीन की कमी नहीं है, लेकिन एक तो अलग-अलग आयु वर्ग का टीकाकरण, ऊपर से कोरोना में ड्यूटी होना भी इसमें बड़ी वजह है। इसके लिए स्टाफभी पर्याप्त चाहिए, जो इस महामारी के कारण नहीं है।

### रोज समय में गुपचुप हो रहा बदलाव

कोरोना की चैन तोड़ने के लिए वैक्सीनेशन पर जोर दिया जा रहा है। इस माह से 18 साल से अधिक आयु वर्ग को भी टीके लगाए जा रहे हैं लेकिन उसमें गड़बड़ी सामने आई है। पिछले कई दिनों से इसका समय उपर विभाग में बैठे कारिंदे अपनी मनमर्जी से तय कर रहे हैं। दिनभर लोग हर घंटे में स्लॉट बुक कराने के लिए चेक कर रहे हैं, लेकिन नंबर नहीं आ रहा है। कभी रात 9 बजे, तो कभी सुबह 9 बजे तो कभी दोपहर के समय स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया चल रही है। सूत्रों के अनुसार वैक्सीन की कमी के कारण भी स्लॉट खुलते ही बुक होने की समस्या हो सकती है।

### स्लॉट कब से उपलब्ध होंगे, जानकारी ही नही

यूजर जब टाइम स्लॉट बुकिंग की कोशिश कर रहे तो सभी स्लॉट बुक्ड हैं या फिर एनए स्टेट्स दिखा रहा है। वैक्सीनेशन के लिए बड़ी तादाद में लोगों के रजिस्ट्रेशन कराने और अपॉइंटमेंट लेने की वजह से स्लॉट खाली नहीं है, यह समझा जा सकता है। लेकिन असल समस्या यह है कि यूजर को पता तो चले कि, बुकिंग के लिए अगले स्लॉट आखिर कब उपलब्ध होंगे। उन्हें इसका कोई नोटिफिकेशन नहीं मिलता। पेटलावद में अभी एक मात्र केंद्र होने के कारण यह समस्या बनी हुई है।

### सात दिन से रोज कर रहे हैं प्रयास

शहर के युवा पार्षद कमलेश लाला चैधरी ने बताया कि, वह पिछले करीब सात दिन से रोज टीकाकरण के लिए पंजीयन का प्रयास कर रहे हैं, मगर सफ्लता नहीं मिल पा रही है। पोर्टल जैसे ही खुलता है, तो कुछ मिनट में ही फुल हो जाता है।

### समझ पाए उतने में बुक है जाते है स्लाट

नगर के दीपक काग का कहना है कि, स्लॉट खुलने का सुबह से लेकर शाम तक इंतजार किया जाता है। दिन भर मोबाइल लेकर बैठ भी रहे हैं, लेकिन तय समय के बजाय अन्य समय पर अचानक स्लॉट खुलता है। लोग कुछ समझ पाते हैं, इससे पहले ही स्लॉट बुकिंग फूल हो जाती है। इसके बाद इंतजार होता है, लेकिन कोई स्लॉट सामने नहीं आता है, ज्यादातर स्लॉट बहार के जिलों में बुक हो रहे हैं जिससे स्थानीय स्तर के युवा रजिस्ट्रेशन के बाद भी वेक्सीन से वंचित हैं। बीएमओ डॉ. एमएल चैपड़ा, कहना है कि, 18 वर्ष से अधिक उम्र वाले युवाओं के टीकाकरण के लिए शहर में 1 केंद्र हैं। वहां पर रोज 100 लोगो को टीके लगाए जा रहे हैं। वैक्सीनेशन में कहीं का भी व्यक्ति कहीं भी स्लाट बुक करकर वैकसीन लगवा सकता है, इसमें यह जरूरी नही कि, जिस ब्लॉक का व्यक्ति है उसे उसी ब्लॉक में वैक्सीन लगवाना होगी।

## कोरोन कर्फ्यू का सख्ती से पालन करवा रही पुलिस

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सुरभि गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक विजय भागवानी के दिशा निर्देशन में जिले में कोरोना संक्रमण की चैन को तोडने हेतु प्रभावी रूप से कोरोना कर्फ्यू का कडाई से पालन सुनिचित कराया जा रहा है। जिलेभर नगरीय एवं कस्बाई क्षेत्रों में अनावयक घूमने वालों को पुलिस और मैदानी अमले द्वारा रोका-टोका जा रहा है। अलीराजपुर में अलग-अलग स्थानों पर बेरिकेटिंग के माध्यम से अनावयक रूप से घूमने वालों से पूछताछ की गई। जिले की प्रवेश सीमा पर आने वाले व्यक्तियों से भी पूछताछ को स्वास्थ्य जांच की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी में अनावश्यक रूप से घूमने वालों पर पुलिस और राजस्व अमले ने रोका और अकारण बाहर घूमने वालों को वापस घर भेजने की कार्रवाई भी की।

अलीराजपुर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बिट्टू सहगल, एसडीओपी श्रद्धा सोनकर, तहसीलदार केएल तिलवारे सहित अन्य अमले ने मैदानी स्तर पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नगर में अलग-अलग स्थानों एवं नगर के प्रवेश मार्गो पर बेरिकेटिंग करके पुलिस द्वारा पूछताछ की गई। अलग-अलग चौराहों और मार्गो पर पुलिस ने बेरिकेटिंग करके आमजन को समझाइ भी दी। पुलिस की सख्ती का असर मैदानी स्तर पर नजर आया।

## 31 मई की सुबह 6 बजे तक लागू रहेगा कोरोना कर्फ्यू

**माही की गूंज, खरगोन।**

बुधवार को स्वामी विवेकानंद सभागृह में कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी की अध्यक्षता में संकट प्रबंधन समुह की बैठक आयोजित हुई। बैठक में समुह के सभी सदस्यों ने 31 मई की सुबह 6 बजे तक कोरोना कर्फ्यू लागू रखने की सहमति दी। कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा ने कहा कि, अभी संक्रमण की दर कम हुई है फिर भी हमें एक सप्ताह और इंतजार करना चाहिए। फिलहाल जिले में सैंपल की संख्या भी बढ़ाई गई है, जिससे और वास्तविक संक्रमण सामने आ सकेगा। इसके आधार पर भविष्य में और बेहतर निर्णय लिए जा सकेंगे। बैठक में तीसरी लहर से पूर्व की तैयारियों को लेकर भी समुह के सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव दिए। पूर्व मंत्री व महेश्वर विधायक डॉ. विजयलक्ष्मी साधौ ने तीसरी लहर से पूर्व शिशुओं के उपचार में आवश्यक उपकरणों तथा उनकी देखभाल के लिए ब्लॉक मुख्यालयों पर आईसीयु बनाने के लिए आवश्यक सेवाओं पर ध्यान आकर्षित कराया। उन्होंने अपने ब्लॉक में आवश्यक व्यवस्था कराने के लिए कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा को स्वीकृति पत्र भी सौंपा। कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा ने कहा कि तीसरी लहर से पूर्व जिला मुख्यालय सहित प्रत्येक ब्लॉक में 10-10 बेड के आईसीयु तैयार किए जाएंगे। जबकि जिला मुख्यालय पर 20 बेड का आईसीयु तैयार होगा।

बैठक में खरगोन विधायक रवि जोशी, भीकनगांव विधायक श्रीमती झूमा सोलंकी, भगवानपुरा विधायक केदार डावर, पूर्व विधायक बाबुलाल महाजन, कसरावद विधायक सचिन यादव प्रतिनिधि दिलीप श्रीमाली, पुलिस अधीक्षक शैलेंद्रसिंह चौहान, अपर कलेक्टर बीएस सोलंकी, एएसपी जितेंद्रसिंह पंवार व डॉ. नीरज चौरसिया, सीएमएचओ डॉ. डीएस चौहान, नपा सीएमओ श्रीमती प्रियंका पटेल सहित समुह के सदस्यों में डॉ. अजय जैन, ओम पाटीदार, अलताफ आजाद, शैलेष महाजन, अमित महाजन, श्रीमती शालिनी रतोरिया, राजू चावला, अनिल रघुवंशी, राजेश रावत उपस्थित रहे।

## बंदिशे की तो सेंध नहीं लगा पाया कोरोना

**माही की गूंज, खरगोन।**

जिले में कई ऐसे गांव है, जिन्होंने समय रहते अपनी ग्रामीण जनता को कोरोना संक्रमण से दूर रखने की दिशा में स्वप्रेरणा से जनता को कोरोनामुक्त रखने में प्रयास सफ्ल हुए है। हालांकि इसमें शासन व प्रशासन का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिले में ऐसे चुनिंदा गांव है, जिन्होंने कोरोना की भयावता को समझा और समझबुझ से काम लिया। साथ ही कई गांव में यह भी देखने में आया कि जरा सी लापरवाही दिखी, तो वहीं पर कोरोना ने अपनी दस्तक बढ़ा दी। चाहे वह शहर के मोहल्ले हो, आईसोलेट मकान हो या छोटे कस्बे या कोई गांव। हर जगह कोरोना ने अपना विकराल रूप दिखाया। इस बीच जिले में ऐसे गांव भी है, जिन्होंने दूरदृष्टिता का परिचय देते हुए सुरक्षात्मक उपाय भी किए। जिले की 591 ग्राम पंचायतों में आज भी ऐसे 133 ग्राम पंचायतें है, जिन्हें कोरोनामुक्त ग्राम पंचायतें कहा जा सकता है। इन ग्राम पंचायतों में ऐसे दर्जनों गांव है, जिन्होंने स्वप्रेरणा से न सिर्फनाकाबंदी की, बल्कि स्थानीय स्तर पर जो भी उपाय हो सके, उनकों लागू करते हुए अमल कराने में भी कोताही नहीं बरती। लिहाजा यह गांव आज भी सुरक्षित है।

### जिंदगी रही, तो आगे कई आयोजन धुमधाम से करेंगे

जिले की सबसे पहाड़ी वाले जनपद भगवानपुरा के कुम्हारखेड़ी वनग्राम में तो ग्रामीणों ने स्वप्रेरणा से शादियों के आयोजन पर ही प्रतिबंध लगा दिया। जबकि आने वाले समय में इसी गांव में अखातिज (अक्षय तृतीया) पर 6 शादियां प्रस्तावित थी। यहां के सरपंच इकराम वास्कले और पटेल श्यामसिंह रतन ने ग्रामीणों के साथ 4 मई को एक बैठककर यह ऐलान भी किया कि जिंदगी रही, तो आगे कई आयोजन धुमधाम से करेंगे, लेकिन अभी हम सभी का जीवन ज्यादा जरूरी है। इसलिए कोरोना काल के बाद ही शादियां आयोजित होगी। इन सबके अलावा जिले में खासकर आदिवासियों के सबसे महत्वपूर्ण पर्व भौंगरिया हाट बाजारों पर भी एक अनोखी व चमकदार जागरूकता देखनें को मिली। यहां प्रशासन के अनुरोध व आदिवासी सामाजिक संगठनों के आव्हान पर भौंगरिया पर प्रतिबंध का निर्णय सर्वमान्य करते हुए पालन किया, जिसकी बदौलत ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना किसी हद तक सीमित रहा।

# रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबजारी करने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

## 30 हजार रूपए में इंजेक्शन बेचते थे आरोपी

**माही की गूंज, खरगोन।**

रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी करने वाले 5 आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया हैं। मामले का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक शैलेंद्रसिंह चौहान ने प्रेसवार्ता में किया में बताया कि, बलकवाड़ा थाना प्रभारी वरुण तिवारी को मुखबीर सुचना प्राप्त हुई की कसरावद फाटा पुलिया के पास 3 संदिग्ध व्यक्ति रेमडेसिविर इंजेक्शन बेचने के लिए खड़े है। जिसके बाद पुलिस टीम ने मुखबीर द्वारा बताए हुए स्थान पर घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को पकड़ा। पकड़ में आए व्यक्तियों में सचिन पिता दिनेश सितोले निवासी विवेकानंद कालोनी ठीकरी, अभिषेक पिता महेश कनासे निवासी रेल्वे थाना जुलवानीया तथा हर्ष पिता मोहन महाजन निवासी बैंक ऑफ बडौदा के पास मेन रोड ठीकरी होना बताया। पुलिस द्वारा तलाशी लेने पर सचिन के पास से 3 इंजेक्शन तथा अभिषेक व हर्ष के पास से 2-2 इंजेक्शन पाए गए। इस दौरान पुलिस ने कुल 7 इंजेक्शन व 50 हजार रूपए किमत की 1 मोटर साईकल जब्त की है। तीनों व्यक्तियों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि, रेमडेसिविर इंजेक्शन 25 हजार रूपए में दिलीप पाटीदार व उसके साथी रोहित पाटीदार से खरीदते थे। इंजेक्शन को हम 5 हजार रूपए किमत बढ़ाकर 30 हजार रूपए में जरूरतमंद लोगों को बेचते थे। दिलीप पाटीदार व रोहित पाटीदार के बारे में पता करने पर पता चला की दोनों इंदौर के अस्पताल में ओटी टेक्निशियन का कार्य करते है।

### निशानदेही पर पकड़ाएं दिलीप व रोहित

पुलिस अधीक्षक श्री चौहान ने बताया कि, दिलीप पाटीदार को आरोपियों की निशानदेही पर दावा बाजार इंदौर से तथा दिलीप की निशानदेही पर रोहित पाटीदार को देवगुराडिया मंदिर के पास इंदौर से पकड़ा। दिलीप के कब्जे से 2 इंजेक्शन तथा रोहित के कब्जे से 3 इंजेक्शन मिले, जिन्हें विधिवत जब्त किया। आरोपियों के पास से सनफार्मा रेमवीन डेसेर्म कंपनी के 2, जॉयडस रेमडेक के 4, हैट्रो कोविफोर का 1, सिपला सिप्रेमी का 1 तथा मायलन डेसेर्म के 4 इंजेक्शन थे।

## कर्फ्यू में बंद पड़ी अंग्रेजी शराब की दुकान से लाखों की बियर चोरी

**माही की गूंज, आम्बुआ।**

क्षेत्र में कोरोना महामारी के कारण कोरोना कर्फ्यू लगा हुआ है जिसके कारण अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के साथ-साथ शराब की दुकानों पर भी ताले लगे हुए हैं। प्रमुख सड़क मार्ग पर होने के बावजूद अंग्रेजी शराब की दुकान से लाखों की शराब चोरी हो जाना आश्चर्यजनक घटना मानी जा रही है। इतनी शराब कोई झोले में भर कर नहीं ले गया होगा इसे ले जाने के लिए कोई वाहन की जरूरत पड़ी होगी, मगर इतने समय तक पुलिस गश्त वाले कहां थे, यह भी कम आश्चर्यजनक नहीं माना जा रहा है।

गूंज प्रतिनिधि को विश्वस्त सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, आम्बुआ में संचालित अंग्रेजी शराब की दुकान जो कि विगत माह से कोरोना कर्फ्यू के कारण बंद है, में 18-19 मई की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने दुकान के पीछे का दरवाजा तोड़कर दुकान तथा गोदाम में प्रवेश किया तथा एक अनुमान के अनुसार लगभग 77 पेटी किंगफिशर बियर की तथा कुछ अन्य ब्रांड की शराब चुरा कर ले गए। जिसकी अनुमानित कीमत लगभग डेढ़ लाख से अधिक की मानी जा रही है।

घटना की खबर अगली सुबह पड़ोसियों से पता लगी, जिसके बाद आम्बुआ थाने पर घटना की सूचना दी जाने की जानकारी दुकान कर्मचारी ने संवाददाता को दी। इतनी बड़ी मात्रा में शराब की पेटियां कोई झोले थैले में भरकर नहीं ले जा सकता, इसके लिए किसी वाहन को इस्तेमाल किया गया होगा। इतने समय तक पुलिस गस्त के जवान तथा गश्ती वाहन कहा था जो कि, चोर प्रमुख मार्ग से शराब उठा कर ले भागे। पता चला है कि, काउंटर की ड्रोज में रखे लगभग 1800 नगदी भी चोर ले गए।

**न्यूज ब्रीफ**

## तेज आंधी के साथ बेमौसम वर्षा से जनजीवन अस्त-व्यस्त

**माही की गूंज, आम्बुआ।**

आम्बुआ तथा आस-पास के क्षेत्र में मंगलवार शाम अचानक मौसम ने करवट बदली तथा तेज आंधी व बादलों की गर्जना के साथ हुई वर्षा ने अफरा-तफरी मचा दी, हालांकि बीती रात भी हल्की बारिश होने के समाचार है। क्षेत्र में इन दिनों गर्मी का मौसम है, इसी के बीच विगत 2 दिनों से आसमान में बादल मंडरा रहे थे। 15-16 मई की रात अचानक ही कुछ समय के लिए बारिश हुई, 16 मई को दिनभर बादलों की लुकाछिपी जारी रही, और शाम को लगभग 6 बजे के बाद तेज आंधी और बादलों की गड़गड़ाहट के साथ जोरदार बारिश ने चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल बना दिया।

अचानक आई आंधी के साथ बारिश ने सब को परेशान कर दिया, लगभग आधे घंटे से भी अधिक समय तक हुई वर्षा से सड़क पर पानी बह निकला, ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी शादी-विवाह तथा नुक्ते आदि के कार्यक्रम चल रहे हैं जिनमें बारिश तथा आंधी के कारण व्यवधान पड़ा। उक्त बेमौसम बारिश तथा आंधी के कारण आम की फसल को अधिक हानि होने के समाचार है, जिस कारण आम बागान वालों को काफी नुकसान होना बताया जा रहा है। ऐसे ही आम बागान के मालिक बोरझाड़ निवासी राजेंद्र सिंह राठौर, लोकेंद्र सिंह राठौर, ग्राम चिचलाना के रूमसिंह भूरिया, ग्राम आम्बी के लोंगसिंह बामनिया आदि ने बताया कि, पेड़ पर लगे आम जो कि पकने की स्थिति में थे और तेज आंधी के साथ आए पानी के कारण जमीन पर आ गिरे, जो कि पकने की बजाए खराब होंगे जिससे हमे बड़ी हानि हुई है। कई कृषको का खलीयानो में भूसा आदि पड़ा था जो कि खराब हो गया, ईटभट्टो वालों को भी नुकसान होने की खबर है। यह बदला मौसम, मौसमी बीमारियों को बढ़ाएगा ऐसा क्षेत्रवासियों का मानना है। वैसे भी क्षेत्र कोरोना की मार झेल ही रहा है।

# कोरोना पर भारी आर्थिक समस्या

## दल-बल के साथ पहुंचे एसडीओपी और थाना प्रभारी, बैंक के बहार लगी भीड़ को देखकर भड़के, लगाई फटकार

**माही की गूंज, बामनिया।**

कोरोना कर्फ्यू में अचानक पुलिस की ओर से ढील देने के बाद लोगो ने फिर से बाजारों में भीड़ लगाना शुरू कर दिया है। इस बार कोरोना ने शहरी क्षेत्रों सहित ग्रामीण इलाकों को भी चपेट में ले रखा है, बड़ी संख्या में ग्रामीण बाजारों में आ रहे हैं किसानो पर आर्थिक समस्या ईस कदर हावी है कि कोरोना के डर की परवाह किए बिना बैंक में बड़ी मात्रा में किसानो की भीड़ पैसे निकालने के लिए उमड़ रही हैं। खेती का समय नज़दीक आने के कारण ग्रामीणजन बैंक का रुख कर रहे हैं। किसान सम्मान निधि की क़िस्त दो हजार रुपए सरकार द्वारा खाते में जमा होने के बाद लोगो की भीड़ बैंक के बहार जमा हो रही है। ग्राम के नारेला रोड़ स्थित जिला सहकारी बैंक के बहार सबसे ज्यादा लोग पैसे निकालने के लिए आ रहे हैं। उक्त बैंक में आस-पास क्षेत्र से लेकर थांदला क्षेत्र, भामल, परवाडा ओर करवड़, गंगाखेड़ी तक के किसानों के खाते इसी बैंक में खुले हैं, जिस कारण बड़ी संख्या में खाताधारक यहां पहुंच रहे हैं।

### अव्यवस्था का शिकार बैंक दो कर्मचारियों के भरोसा, दिन भर खड़े रहने के बाद भी नही मिल पाती राशि

बैंक के बाहर लगी भीड़ से बैंक को कोई लेना-देना नही है। बैंक में कहने को तो 7 कर्मचारी है लेकिन मात्र दो या तीन कर्मचारियों के भरोसे बैंक का संचालन हो रहा है, बैंक के मैनेजर तो हत्ते में एक बार भी बड़ी मुश्किल से दर्शन दे रहे हैं, जिससे बैंक के बाहर लगातार भीड़ बढ़ती जा रही है। न समय पर बैंक खुलती है न ही समय पर लेन-देन शुरु हो रहा है, जिससे लोग परेशान होकर रोज बैंक के बाहर सुबह 9 बजे से डेरा जमाकर बैठ रहे हैं। बैंक के बहार खड़े खाताधारकों या उनके साथ आए लोगो में से कई के मुंह पर मास्क तक नही है साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ी हुई हैं। हालांकि पुलिस थोड़ी देर में घूमती नजर आती है लेकिन बैंक के बाहर लगी भीड़ को अनदेखा कर निकल जाती है। अगर भीड़ के बीच कोई कोरोना संकृमित आ गया तो स्थिति कितनी भयावह होगी इसका अंदाज़ा भी नही लगया जा सकता।

### एसडीओपी और थाना प्रभारी पहुंचे बैंक, खाताधारकों ने की बैंक की शिकायत

बैंक पर लग रही भीड़ की शिकायत लगातार अधिकारीयो के पास पहुंच रही थी, वही सोशल मीडिया पर भी भीड़ के संबंध में पोस्ट की जा रही थी। जिसके बाद पेटलावद एसडीओपी सोनू डावर ओर थाना प्रभारी सजंय रावत दल-बल के साथ बैंक के बाहर लगी भीड़ को हटाने के लिए पहुंचे। इस दौरान बैंक के बहार खड़े खाताधारकों ने बैंक की कार्यप्रणाली की शिकायत की ओर बताया कि, बैंक द्वारा समय पर काम नही किया जा रहा है और कर्मचारी भी बैंक में नही है, जिस कारण रोज बैंक में जान जोखिम में डालकर आना पड़ रहा है।

### बैंक कर्मचारियों को दी हिदायत

एसडीओपी और थाना प्रभारी बैंक के बाहर लगी भीड़ को देखकर चौंक गए, जिसके बाद बैंक कर्मचारियों को बाहर बुलाकर कड़ी हिदायत देकर टोकन सिस्टम से राशि बांटने के निर्देश दिए। फिलहाल बैंक में कर्मचारियों के अभाव के कारण भी लोगो को परेशान होना पड़ रहा है और बैंक में पदस्थ कर्मचारी और मैनेजर रोज बैंक नही आ रहे हैं, जिसमे सुधार के बाद ही भीड़ कम हो सकती है। मंगलवार को पुलिस द्वारा समझाईश के बाद बुधवार को भी बैंक के बहार भारी भीड़ लगी रही, जिसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लगना पड़ा और खाताधारकों को लाईन में खड़ा किया गया, समस्त प्रयासों के बाद भी सोशल डिस्टेंसिंग रखने में कामयाबी नही मिल सकी।

# कोरोना काल में गरीबों को नि:शुल्क दिए जा रहे अनाज में जमकर हो रही कालाबाजारी

## पूर्व विधायक ने सोसायटीयों व समूहों के द्वारा वितरित किए गए अनाज के भौतिक सत्यापन की मांग की

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

कोरोना काल को देखते हुए केंद्र की मोदी सरकार द्वारा गरीब एवं वंचित वर्ग के लोगों के लिए गेंहू, चावल, दाल, नमक, मसाला के निःशुल्क वितरण किए जाने की योजना को जिले में कार्यरत सोसायटी के सेल्समेनो और समूहों में कार्यरत लोगों द्वारा जमकर पलीता लगाते हुए भ्रष्टाचार किया जा रहा है, जिसकी शिकायते विभिन्न क्षेत्रों मिल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक ओर संकट को देखते हुए आम आदमी का भरण-पोषण ठीक ढंग से हो सके इसके लिए निःशुल्क राशन की व्यवस्था की गई है, लेकिन सोसायटीयों द्वारा कहीं-कहीं राशन पात्र व्यक्तियों को नहीं दिया जा रहा है तो कहीं अनाज वितरित ही नहीं किया जा रहा है, लेकिन उक्त अनाज का मुल्य हितग्राहियों से वसूला जा रहा है। उक्त मामले को लेकर विभिन्न ग्राम पंचायतों से शिकायत प्राप्त होने के बाद कलेक्टर सुरभि गुप्ता से यह मांग करता हूं कि, वे अपनी प्रशासकीय टीम को ग्रामीण क्षेत्र में लगाए ताकि गरबों को निःशुल्क और पूरा अनाज मिल सके। उक्त बात अलीराजपुर के पूर्व विधायक नागरसिंह चौहान ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही।

### जांच की मांग

प्रेस विज्ञप्ति में पूर्व विधायक नागरसिंह चौहान ने बताया कि, उनके पास घोंघसा, अंजदा, बड़ा उंडवा, कसबा जोबट एवं बड़ी गेंद्र क्षेत्र सहित कई अन्य क्षेत्रो से सोसायटीयों एवं समूहों द्वारा ठीक से अनाज वितरित न करते हुए कम मात्रा में अनाज देने एवं निःशुल्क वितरित अनाज के पैसे लिए जाने की शिकायत ग्रामीणों द्वारा उनसे की है। श्री चौहान ने बताया कि, केंद्र सरकार द्वारा प्रत्येक व्यक्ति को 4 किलो गेंहू एवं 1 किलों चावल प्रतिमाह के हिसाब से निःशुल्क दिया जाना है लेकिन इसमें भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है। जिसकी जांच जिला प्रशासन को करना चाहिए, साथ ही जिन लोगों को सोसायटीयों द्वारा अनाज वितरित किया गया है उन्हें किस मात्रा में अनाज दिया गया है व कितना पैसा लिया गया है इसकी भी जांच की जाना चाहिए।

### औचक निरीक्षण करें प्रशासन

प्रेस विज्ञप्ति में पूर्व विधायक चौहान ने बताया कि, जिला प्रशासन द्वारा अपनी टीम बनाकर जिसमें पटवारी, सचिव, रोजगार सहायक से लेकर प्रशासनिक अधिकारी तहसीलदार, नायब तहसीलदार, एसडीएम भी शामिल हो उनके द्वारा समूहों एवं सोसायटीयों में वितरित हो रहे अनाज का औचक निरीक्षण कर जांच की जाना चाहिए। ताकि हितग्राहियों को उनका पूरा लाभ मिल सके। पूर्व विधायक द्वारा ग्राम पंचायतों में रह रहे शिक्षित युवा वर्ग से अपील की है कि, वे भी अपने क्षेत्र में सक्रिय रहकर हो रही गड़बडियों को दूर करते हुए हितग्राहियों को पुरा अनाज दिलवाए और यदि कोई कमी पेशी नजर आ रही हो तो वे सीधे मुझसे संपर्क कर शिकायत करे।

**अनूठा प्रयास**

# गाइडलाइन पालन नहीं करने वाले का विडियों होता है वायरल

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

कोरोना महामारी के चलते प्रशासन की और से जारी आदेश मे जिले में 25 मई सुबह 6 बजे तक कोरोना कर्फ्यू जारी रहेगा। ऐसे मे अनावश्यक बाजारो मे घुमने वालो को पुलिस ने अस्थाई जेल भी भेजा, मगर फिर भी लोग बाज नही आ रहे है। पुलिस जब पूछती क्यों घूम रहे है? तो लोग नए-नए बहाने बना देते है। पुलिस को झूठ बोलकर अपने आपको धोका दे रहे है। जबकी पुलिस चिलचिलाती धुप मे नगर के प्रमुख चौराहो पर अपने कर्तव्य का पालन करते हुए अपनी ड्यूटी कर रही है। जनता का भी फर्ज बनता है कि, पुलिस का सहयोग करे घरों मे रहे सुरक्षित रहे।

इसी कडी मे अलीराजपुर यातायात प्रभारी सुभाष सतपडिया ने अनूठा तरीका निकाला है, जिससे लोगो को सोशल मिडिया पर फेसबुक के जरिए जागरुक कर समझाईश दे रहे है। कोरोना कर्फ्यू में अनावश्यक घुमने वालो को पनिशमेंट में उठक-बैठक लगवा रहे है, जिसे ऑनलाइन भी देख सकते है। ऑनलाइन में एक फायदा ये भी हो रहा है कि, लोग ऑनलाइन उठक-बैठक न करने के डर से बेवजह घरों से नही निकल रहे है। जिससे इन दिनो नगर मे भीड भी कम नजर आ रही है। साथ ही दुकाने भी जो चोरी छुपके खुलती थी, वो भी अब नही खोल रहे है। साथ ही जनता को नगर का भ्रमण घर बैठे ऑनलाइन करा रहे है ये अनूठा तरीका है। जिसके चलते फेसबुक पर काफी सारे लोग जुड रहे है और नगर का लाईव भ्रमण कर घर बैठे देख रहे है।

सुभाष सतपडिया

इस संबंध मे जब यातायात प्रभारी से ऑनलाइन लाईव कवरेज को लेकर जानकारी चाही तो बताया कि, हमारा उद्देश्य लाइव दिखाना यह है कि, लोग जो छोटी-छोटी गलतियाँ करते है जैसे मास्क न लगाना, सब्जी खरीदते वक्त दुरी न बनाना, एक बाइक पर दो या तीन लोग सवार होना, इन गलतियों पर उन्हे समझाईश देना और दूसरों ऐसी गलतियों से रोकने के लिए लाईव दिखाया जा रहा है। जिससे लोगो की गलतियाँ जनता को दिख सके ताकी और लोग ऐसी गलतियाँ न करे। इससे हमे काफी हद तक संक्रमण को रोकने मे मदद मिलेगी।

# यातायात पुलिस का सराहनीय कार्य

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

यातयात पुलिस ने कोरोना कर्फ्यू में सराहनीय कार्य किया, नगर की जनता को मास्क लगाने और सोशल डिटेंसिंग रखने की अपील भी की। साथ ही यातायात पुलिस नगर के प्रमुख चौराहो पर अपने कर्तव्य का पालन करते हुऐ अपनी ड्यूटी कर रही है। जनता का भी फर्ज बनता है कि, पुलिस का सहयोग करे और घरों मे रहे सुरक्षित रहे, आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकले।

### यातायात पुलिस ने पशुओं के लिए चारा-पानी की करी व्यवस्था

कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते कोरोना कर्फ्यू में सबसे अधिक हालत खराब पशु-पक्षियों की हो रही थी। इंसान घर से बाहर नहीं निकल रहा था। ऐसे में पशुओं को चारा कौन खिलाए, ऐसी ही स्थिति पिछले वर्ष लॉकडाउन में भी सामने आई थी। जिसमे पशु-पक्षियों को चारा-पानी की व्यवस्था यातायात पुलिस ने की और गरीब लोगों को मास्क, राशन भी बाटा गया। उक्त कार्य में अलीराजपुर यातायात प्रभारी सुभाष सतपड़िया उनकी टीम का सराहनीय कार्य रहा। नगर में गायों को तलाश कर उनके लिए घास की व्यवस्था की गई और पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था की, साथ ही मास्क बाटे गए, ऐसे में सड़कों पर बेजुबान पशुओं के लिए पुलिस सहारा बनी। यातायात पुलिस कर्मचारी पशुओं को चारा खिलाने और पानी की भी व्यवस्था की, ताकि भूख के मारे इन बेजुबान पशुओं को कोई परेशानी न हो। साथ ही जिले के विभिन्न इलाको में तैनात यातायात पुलिस ने लगातार लोगों को इस संबंध में जागरूक किया।

# आम लेकर किसान पहुंचे मंडी, विक्रय को लेकर हुआ हंगामा, बैठक के बाद मंडी हुई शुरू

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

प्रदेश एवं जिले की प्रसिद्ध आम मंडी शुरू होने से पहले ही हंगामे की भेंट चढ़ गई। किसान अपनी उपज आम लेकर मंडी तो पहुंचे, मगर प्रशासन के अधिकारीयों ने कोरोना काल और जारी कोरोना कर्फ्यु का हवाला देते हुए किसानों को अपनी उपज आम लेकर घर जाने के लिए कहा गया। इस बात को लेकर किसान, व्यापारीगण और अधिकारी आमने-सामने हो गए। मामला उस समय और गंभीर हो गया जब जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल और विधायक मुकेश पटेल आम मंडी पहुंचे और उन्होंने किसानों की उपज को लेकर आम विक्रय शुरू करने की मांग की। इस दौरान भाजपा नेता भुवानसिंह चौहान, जयस पदाधिकारी अरविंद कनेश भी उपस्थित थे।

### प्रशासन ने पहले कराई थी मुनादी

मंडी मे काफी हंगामा एवं जद्दोजहद के बाद प्रशासन, व्यापारी किसान और नेताओं की बैठक और आपसी सहमति अनुसार आम विक्रय हेतु मंडी प्रकिया प्रारंभ की गई। उल्लेखनीय है कि, विगत दिनों प्रशासन ने किसानों की उपज आम को लेकर ग्रामीण अंचलों में मुनादी कराई थी कि, 17 मई से आम मंडी प्रारंभ की जा रही है। जिसके बाद सोमवार को ग्रामीणजन वाहनों के माध्यम से आम लेकर मंडी पहुंचे तो, अधिकारियों के दल-बल ने उन्हें मंडी में घुसने से रोक दिया। अधिकारियों का कहना था कि, वर्तमान समय में कोरोना काल और कोरोना कर्फ्यु का दौर चल रहा है, ऐसे में कोरोना संक्रमण होने का अंदेशा है, इसलिए मंडी प्रारंभ करना उचित नहीं होगा। प्रशासन ने मंडी के दोनों गेट पर ताला जड़ दिया, जिससे किसानो मे व्यापक आक्रोश देखने को मिला।

### पटेल बंधु पहुंचे आम मंडी

उक्त मामले की जानकारी जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल और विधायक मुकेश पटेल को मिली तो वह आम मंडी पहुंच गए, जहां उन्होंने प्रशासन की हिटलर शाही और तानाशाही को लेकर जमकर आक्रोश जताया। पटेल बंधु ने कहा कि, किसान लोग आम लेकर मंडी पहुंचे तो उन्हें बेचने नहीं दिया जा रहा है। रविवार को चक्रवर्ती तूफान और बारिश के चलते आम के पेड़ों से कई आम गिर गए हैं, जिसके चलते उन्हें बेचना भी जरूरी है। किसान अगर आम नहीं बेचेंगे तो लेकर कहा जाएंगे, खेर किसानो को डरने की जरूरत नहीं है, किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस उनके साथ खड़ी है, समय आने पर सड़कों पर उतरकर चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। महेश पटेल ने कहा, प्रशासन उन्हें जेल भेज दे या फांसी पर चढ़ा दे मगर हम उनके हित और हक की लड़ाई लड़ते रहेंगे। उधर इस मामले को लेकर पूर्व विधायक नागरसिह चौहान एवं जयस पदाधिकारी अरविंद कनेश ने भी किसान की उपज आम विक्रय को लेकर मंडी शुरू किए जाने की बात जिला प्रशासन से कही।

## जिला पंचायत अध्यक्ष ने कस्बे में भ्रमण कर वैक्सीन लगवाने का आव्हान किया

**माही की गूंज, आम्बुआ।**

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता नागर सिंह चौहान इन दिनों जिले के ग्रामीण क्षेत्र का भ्रमण कर कोरोना से बचाव हेतु किए जा रहे टीकाकरण के प्रचार-प्रसार तथा लोगों को वैक्सीन लगवाने हेतु प्रेरित करने में जुटी हुई है। वह घर-घर तथा फलिए में जाकर लोगों का हालचाल पूछते हुए वैक्सीन लगवाने हेतु समझा रही है।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता नागर सिंह चौहान ने इसी कड़ी में आज आम्बुआ कस्बे का भ्रमण किया तथा घर-घर जाकर लोगों के हालचाल तथा स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। कोरोना से बचाव हेतु किए जा रहे टीकाकरण वैक्सीन हेतु समझाइश दी तथा लोगों को प्रेरित किया। उनके मधुर व्यवहार का असर भी लोगों पर पड़ता दिख रहा है तथा टीकाकरण करवाने हेतु तैयार भी हो रहे हैं। श्रीमती चौहान के साथ भाजपा मंडल अध्यक्ष जुवानसिंह रावत, उपसरपंच विकास माहेश्वरी, भाजपा मंडल महामंत्री अनिल खंडेलवाल, यश राठौड़, गिरधर खंडेलवाल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# आबकारी ने हकीकत की बयां

## 200 करोड़ का शराब से राजस्व देने वाले का नाम आबकारी रिकॉर्ड में नहीं, कैसे करें एफआईआर... ?

माही की गूंज झाबुआ, संजय भटेवरा

जी हां जिले की अधिकांश शराब दुकानों का ठेका लेकर करोड़ों रुपए का राजस्व देकर वैध दुकान की आड़ में अरबों रुपए की अवैध शराब का कारोबार कर अपने व्यारे-न्यारे करने वाला अलकेश बाकलिया व रिश्तेदार जो दुकानों का संचालन कर अपने व्यारे-न्यारे करने वाले के नाम न ही शराब के टेंडर में है, न ही उनके पिता व उनके असल सरनेम के साथ आबकारी विभाग में उनका कोई नाम दर्ज है, पर जिले में 200 करोड़ का राजस्व शराब के नाम पर भर रहे हैं। जिनके खिलाफ आबकारी विभाग उनके अवैध कारोबार में नाम आने के बाद भी उनके खिलाफ कैसे एफआईआर दर्ज करें? यह बात हम नहीं आबकारी विभाग के एक अधिकारी ने परवलिया में पकड़ी गई अवैध शराब से भरी एक जीप के बाद बुधवार को जानकारी लेने पर माही की गूंज को कहीं।

ठेकेदार की शराब नही होने पर ओमप्रकाश टांक भेरूगढ़ के घर में पकड़ी अवैध शराब।

बता दे कि, गुजरात सीमा से सटे काकनवानी पुलिस थाना क्षेत्र के ग्राम वट्ठा से शनिवार को मीडियम रेंज की विदेशी शराब मेकडावल व लंदन प्राइड की पेटियां अवैध रूप से भरी हुई बिना नंबर की जीप में पुलिस थाना काकनवानी के सामने से होकर क्षेत्र में अवैध रूप से कोरोना कर्फ्यू के दौरान भी सप्लाई की जा रही थी। परवलिया फंटे पर दिनदहाड़े किसी एजेंट के यहां कुछ अवैध शराब की पेटियां खाली कर रहे थे कि, कोरोना कर्फ्यू के दौरान थांदला राजस्व निरीक्षक दीपक रावत काकनवानी की ओर से थांदला की ओर आ रहे थे कि, कोरोना कर्फ्यू के दौरान भी अवैध शराब की पेटिया एक दुकान में खाली होते हुए देखा, जिसपर राजस्व निरीक्षक ने अपना वाहन रोका, वाहन रुकते ही शराब से भरे वाहन चालक के साथ अलकेश बाकलिया व मुकेश नायक के मुलाजिम जो शराब उतार रहे थे जो दौड़ लगाकर रफूचक्कर हो गए।

उक्त शराब की जानकारी श्री रावत ने तहसीलदार एवं एसडीएम को दी, जिसके बाद थांदला वृत के आबकारी अधिकारियों को भेज कार्रवाई प्रक्रिया में देरी बरतते हुए एक प्रयास शराब से भरे वाहन को जैसे-तैसे आम लोगों को गुमराह कर काकनवानी से सारंगी दुकान का टीपी परमिट होना बताकर, अवैध शराब को वैध बताने का प्रयास कर, शराब से भरे वाहन को ले जाने का प्रयास किया। जिसके बाद माही की गूंज के मुखबिर की जानकारी अनुसार, मुकेश नायक से लेकर अलकेश बाकलिया ने वाहन छुडवाने के लिए दम लगाया और थांदला में शराब दुकान का ऑफिस में बैठकर संचालन करने वाले एक कर्मचारी को मौके पर भेजा। वहीं उक्त मामले को रफा-दफा करने का मामला एक सोशल वर्कर ने आरआई एवं उसके साथ एक पुलिसकर्मी के साथ शराब से भरी जीप का मौके से खिंचा फोटो सोशल मीडिया पर डाला। वही माही की गूंज कार्यालय तक मामले को रफा-दफा करने की बात पहुंची, जिसके बाद आबकारी के अधिकारी में भी ये सामर्थ्य नहीं रहा कि वह जिन शराब माफियाओं की प्रतिमाह खा रहे हैं उनको भी बचा सके और मामला दर्ज करना पड़ा।

सोशल वर्कर ने शराब पकडने के बाद गाडी को फोन से बात कर अधिकारी द्वारा छोड़ देने की बात की थी सार्वजनिक।

मामला दर्ज होने के 4 दिन बाद थांदला वृत के आबकारी इंस्पेक्टर से वाहन नंबर व जांच के नाम पर किस-किस कर्मचारी के नाम पर एफआईआर दर्ज की है?

उक्त शराब को क्या टीपी परमिट के साथ काकनवानी से सारंगी जाना बताकर अवैध शराब को वेध शराब बताने की प्रक्रिया की जा रही है?

उक्त शराब वट्ठा-काकनवानी से भरकर सप्लाई हो रही थी तो क्या संचालनकर्ता मुकेश नायक व अलकेश बाकलिया के विरुद्ध मामला दर्ज किया जाएगा? आदि जानकारी माही की गूंज ने जानना चाही।

मौके पर आरआई व पुलिसकर्मी ने पकड़ी अवैध शराब से भरी गाडी, साइड में गोल घेरे में अलकेश बाकलिया ने मामले को रफा-दफा करने के लिए थांदला आफिस के मुलाजिम को भेजा, जो भी माही की गूंज को जानकारी मिलने के बाद नही छुडा सके गाडी।

जिस पर आबकारी इंस्पेक्टर विकास वर्मा ने मामले के 4 दिन बाद भी बताया, जीप बिना नंबर की है अभी तक इसका मालिक कौन है जानकारी नहीं निकाली गई है, जांच में जो भी आएगा उसके विरुद्ध कार्रवाई होगी, काकनवानी-वट्ठा से शराब आ रही थी यह मैं कैसे कह सकता हूं, काकनवानी-वट्ठा दुकान का लाइसेंसी विजय पिता गोरधन सोनी है मुकेश व अलकेश का नाम हमारे रिकॉर्ड में नहीं है।

वहीं एक अन्य आबकारी अधिकारी से चर्चा की तो नाम नहीं छापने की तर्ज पर बताया, अलकेश बाकलिया व मुकेश नायक का असल नाम उसके पिता एवं सरनेम के साथ पूरा नाम सही क्या है! आबकारी रिकॉर्ड में नहीं है। वही काकनवानी-वट्ठा से शराब भरकर वाहन जा रहा था तो भी वास्तविक ठेकेदार अलकेश बाकलिया व मुकेश नायक के खिलाफ उनके नाम आने के बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं कर सकते हैं, क्योंकि वह जिले से शराब के नाम पर 200 करोड़ रूपए का राजस्व देते है।

### आबकारी की नजरः ठेकेदार करे तो वैध दूसरा करें तो अवैध

आबकारी की उक्त नाटकीय कार्रवाई के साथ शराब पकड़ने की वाह-वाही लूटने वाले आबकारी विभाग ने दो दिन बाद शराब ठेकेदार के इशारों पर ही सोमवार को वृत थांदला के अधिकारियों ने भेरूगढ़ के ओमप्रकाश पिता कन्हैयालाल टांक की दुकान एवं घर में दबिश देकर शराब पकड़ने की कार्रवाई की। जिसमें देशी एवं विदेशी की 25 से अधिक शराब की पेटियां जप्त की। वहीं अधिकारियों ने 18 पेटी अवैध शराब का प्रकरण दर्ज कर ओमप्रकाश को त्वरित गिरफ्तार कर शाम को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

इस संबंध में इंस्पेक्टर से जानकारी ली तो, ओम प्रकाश के घर व किराना दुकान में से अवैध शराब की पेटियां मिली जिसकी कार्रवाई की गई है, इंस्पेक्टर ने बताया कि यह शराब, शराब ठेकेदार की नहीं थी यह सही है और कार्रवाई की गई है।


टाटा हिताची 210 एलसी सुपर पोकलेन (एस्केवेटर), जेसीबी 3 डीएक्स (बैकहो लोडर) एवं ट्रेक्टर संबंधी सभी कार्य के लिए संपर्क करे...

TATA HITACHI
EX 210LC
Super+ SERIES

पोकलेन
टाटा हिताची
210 एलसी सुपर

3 ऑपरेटर मो. 86026-23253

जेसीबी मशीन
(बैकहो लोडर)

1 ऑपरेटर मो. 93013-23253

4 ऑपरेटर मो. 86025-23253

कार्यालय - ओम श्री सांई ट्रेडर्स, बाजना मार्ग खवासा, जिला झाबुआ मो. 86026-60341


स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422